राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 29 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–62 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नीतीश ने भाजपा के ''लिखित निवेदन के बाद सहनी को किया बर्खास्त

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को कैबिनेट मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक प्रमुख मुकेश सहनी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया। वहीं इस घटना पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि मैंने भाजपा की तरफ से लिख दिया है कि वो (मुकेश सहनी) हमारे सदस्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें अपने पद से हटना चाहिए। भाजपा द्वारा पिछले विधानसभा चुनाव में सहनी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में लाया गया था। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, भाजपा के एक ''लिखित निवेदन के बाद मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से मत्स्य और पशुपालन मंत्री सहनी को मंत्रिमंडल से निष्कासित करने की सिफारिश की। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता अरविंद कुमार सिंह ने एक बयान में कहा, ''भाजपा के प्रदेश प्रमुख ने सहनी से अपने तरीके को सुधारने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने एक अधिसूचना जारी की, जिसने 'मछुआरा समुदाय को बहुत नाराज कर दिया था। इस फैसले के जरिए वह अपनी राजनीतिक इमारत बनाना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बार-बार हमला करने के कारण बॉलीवुड के पूर्व सेट डिजाइनर सहनी से भाजपा काफी नाराज थी। वहीं, वीआईपी के एक विधायक के निधन के बाद खाली हुई बोचहां सीट पर उपचुनाव में भाजपा ने अपना उम्मीदवार खड़ा किया है। हाल में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने यह भी दावा किया था कि सहनी को 2020 के चुनावों के 6 महीने के भीतर अपनी पार्टी का भाजपा में विलय करने के लिए कहा गया था, लेकिन वीआईपी प्रमुख वादे से मुकर गए। हालांकि, सहनी ने ऐसे किसी समझौते से इनकार किया था।

नितिन गडकरी बोले- मेरी इच्छा है कांग्रेस मजबूत हो....लोकतंत्र के लिए विपक्ष का होना जरूरी

एजेंसी । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा कि लोकतंत्र के लिए एक मजबूत कांग्रेस महत्वपूर्ण है और यह उनकी ईमानदार इच्छा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हो। एक इंटरव्यू में गडकरी ने कहा कि कांग्रेस के कमजोर होने के साथ, इसकी जगह क्षेत्रीय दलों ने ले ली है, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुणे मेट्रो डीपीआर में तेजी लाई है, जो अनंत भूमिगत और ओवरहेड बहस के कारण कई वर्षों से लंबित थी। गडकरी ने कहा कि मैं एक घंटे के लिए देवेंद्र फड़णवीस के साथ बैठा और जोर देकर कहा कि हम सलाहकार की योजना के साथ आगे बढ़ेंगे। हमने उस मुद्दे पर फिर से बहस नहीं करने का संकल्प लिया और अब आप देखते हैं कि काम पूरा हो गया है। कभी-कभी आपको फैसलों को लागू करना पड़ता है। गडकरी ने कहा कि लोकतंत्र दो पहियों पर चलता है - सत्ता पक्ष और विपक्ष। लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी है इसलिए मेरी ईमानदार इच्छा है कि कांग्रेस पार्टी मजबूत बने। साथ ही कांग्रेस के कमजोर होने से उसकी जगह क्षेत्रीय दल ले रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा का पालन करने वालों को पार्टी में बने रहना चाहिए । और इसके आदर्शों में विश्वास रखना चाहिए। 1978-80 में मैं भाजपा में शामिल हुआ था ।

भगवंत मान की इस नई स्कीम

हम इसे दिल्ली में लागू करना चाहते हैं, लेकिन केंद्र बाधा डाल रही: केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री रविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जी ने पंजाब में गरीबों का राशन उनके घर-घर पहुंचाने का ऐलान किया है। घर-घर राशन योजना के तहत सरकार हर महीने आपको राशन घर तक पहुंचाएगी। इससे पंजाब के गरीबों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि भगवंत मान ने राशन की 'डोर स्टेप डिलीवरी की घोषणा की है। हम इसे दिल्ली में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन केंद्र इसमें बाधा डालता है। केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लोगों के लिए घर-घर राशन पहुंचाने की नीति लागू करने के बाद अन्य राज्यों के लोग भी इसकी 'मांग करने लगेंगे। उन्होंने डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जतना पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजधानी में इस नीति के कार्यान्वयन में 'बाधा पहुंचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज एक बड़ी घोषणा की है कि लोगों के घर तक राशन पहुंचाया जाएगा और इससे गरीबों को बहुत फायदा होगा।उन्होंने आरोप लगाया कि हम दिल्ली में भी इसे लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार दिल्ली में इस नीति को लागू करने में बाधा डालने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हम दिल्ली में भी इसे लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार दिल्ली में इस नीति को लागू करने में बाधा डालने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि इस विचार को अमल में लाने का समय आ गया है, इसे 'रोका नहीं जा सकता।

इससे पहले दिन में मान ने अपने राज्य में 'घर-घर राशन वितरण योजना शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा कि गरीबों को अब कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अच्छी गुणवत्ता वाला राशन उनके घर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि यह योजना पात्र लाभार्थियों के लिए वैकल्पिक होगी।

प्रमोद सावंत ने दूसरी बार ली पद की शपथ, इन 8 मंत्रियों का भी शपथ ग्रहण

एजेंसी । गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए हाल में हुए चुनाव में अपने नेतृत्व में भाजपा को 20 सीटें जिताने वाले तीन बार के विधायक प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियों की मौजूदगी में दूसरे कार्यकाल के लिए राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार को शपथ ग्रहण की। गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई ने राज्य की राजधानी पणजी के निकट डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित समारोह में सावंत (48) को शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत कई नेता शामिल हुए। सावंत ने कोंकणी भाषा में शपथ ग्रहण की। यह राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल है। वह मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद पहली बार मार्च 2019 में मुख्यमंत्री बने थे। प्रमोद सावंत के अलावा विश्वजीत राणे, मौविन गोडिन्हो, रवि नायक, नीलेश कैबराल, सुभाष सिरोडकर, रोहन खुंटे, गोविंद गौड़े, अतानासियो मोनसेराते मंत्रिपद की शपथ ली । हाल में संपन्न राज्य के चुनाव में भाजपा ने 20 सीटों पर जीत हासिल की, जो 40 सदस्यीय सदन में बहुमत से एक कम है। तीन निर्दलीय विधायकों और महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के दो विधायकों ने भाजपा को समर्थन दिया है। सावंत (48) उत्तरी गोवा के सांखालिम से विधायक हैं। 2017 में जब मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी सरकार बनाई तो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष चुना गया।

गुजरात में भी कांग्रेस को टेंशन देने जा रही आप!

एजेंसी ।

गुजरात में इस वर्ष दिसम्बर में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के प्रमुख महेश वसावा ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। यह मुलाकात, आप की गुजरात इकाई के नेताओं के बीटीपी प्रमुख महेश वसावा और उनके बड़े भाई विधायक छोटू वसावा से भरुच जिले में स्थित उनके आवास पर मिलने के बाद हुई है। उस मुलाकात में आप के नेताओं ने बीटीपी को चुनावी गठबंधन करने के लिए आमंत्रित किया था। गौरतलब है कि बीटीपी 2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी और दो सीट पर जीत हासिल की थी, लेकिन अब बीटीपी ने विपक्षी कांग्रेस से दूरी बना ली है। आप की गुजरात इकाई ने एक ट्वीट में बताया कि डेडियापाड़ा सीट से बीटीपी विधायक महेश वसावा ने दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान राजधानी के एक सरकारी स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक का दौरा भी किया। ट्वीट में कहा गया है, ''महेश वसावा ने आप की गुजरात इकाई के नेता इसुदान गढ़वी के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल से मुलाकात की तथा आदिवासी समुदाय और क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी की। आप ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''दिल्ली में सरकारी स्कूल देखने के बाद महेश वसावा ने कहा कि यदि गुजरात के आदिवासी इलाकों में इस तरह के स्कूल बनाये जाते हैं तो आदिवासी समुदाय के बीच शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

आप की गुजरात इकाई के अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आप ने विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन करने के लिए बीटीपी को आमंत्रित किया है। बीटीपी ने पिछले वर्ष नर्मदा और भरुच जिला पंचायतों के चुनाव में कांग्रेस से अपना गठबंधन समाप्त करने का निर्णय लिया था और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ गठबंधन किया था।

कोरोना के बाद अब टीबी की दवा उतारने की तैयारी में सीरम इंस्टीट्यूट, मांगी आपात इस्तेमाल की मंजूरी

नई दिल्ली। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने टीबी (तपेदिक) से बचाव में कारगर अपने रिकॉम्बिनेंट बीसीजी (आरबीसीजी) टीके को आपात उपयोग की मंजूरी (ईयूए) देने के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) के पास आवेदन किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एसआईआई के सरकारी एवं नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने 22 मार्च को ईयूए के लिए आवेदन दिया। मौजूदा समय में भारत के टीबी टीकाकरण कार्यक्रम के तहत बच्चों को जन्म के समय या एक साल की उम्र के भीतर बीसीजी टीका लगाया जाता है। सिंह ने डीजीसीआई को दिये आवेदन में इस बात का जिक्र किया है कि एसआईआई सार्वभौम टीकाकरण कार्यक्रम के तहत सरकार को पहले से ही जीवनरक्षक टीकों की आपूर्ति कर रहा है, जिनमें न्यूमोकोकल, आईपीवी और रोटावायरस शामिल हैं। पुणे स्थित एसएसआई सरकार को बीसीजी टीके उपलब्ध कराने वाले संस्थानों में शामिल है। सिंह ने पत्र में कहा, हमारी सरकार टीबी के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है।

सीबीआई ने गुजरात की शिपिंग कंपनी के फरार निदेशक को गिरफ्तार किया, केनरा बैंक से धोखाधड़ी का मामला

एजेंसी । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को कहा कि उसने गुजरात की एक शिपिंग कंपनी के ''लंबे समय से फरार एक अधिकारी को केनरा बैंक से 20.68 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि कंपनी के निदेशक आरोपी संजय गुप्ता को केन्या के नैरोबी से यहां पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया। वह अहमदाबाद में केनरा बैंक की एक शिकायत के आधार पर 27 जून 2012 को दर्ज मामले में नामजद आठ आरोपियों में से एक है। बयान में कहा गया है कि गुजरात की नोवा शिपिंग और उसके निदेशकों, मालिकों, बैंक अधिकारियों समेत अन्य के खिलाफ केनरा बैंक की जामनगर शाखा से 20.68 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''जांच के बाद अहमदाबाद के मिर्जापुर में 24 दिसंबर 2013 को आठ आरोपियों के खिलाफ विशेष सीबीआई अदालत में मामला दर्ज किया गया है। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि गुप्ता लंबे समय से फरार था और उसके खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) और रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। उसे अहमदाबाद में एक अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा।

वाहनों के फिटनेस टेस्ट में नहीं होगा झंझट, सरकार ने नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली। सरकार ने वाहनों की 'फिटनेस% की जांच के लिए एक स्वचालित जांच केंद्र स्थापित करने के लिए अर्हता में कुछ संशोधन करने का रविवार को प्रस्ताव किया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इसने ''स्वचालित जांच केंद्रों की मान्यता, नियमन एवं नियंत्रण के लिए नियमों में कुछ खास संशोधन करने को लेकर 25 मार्च 2022 को एक मसौदा अधिसूचना जारी की थी। इसे इससे पहले 23 सितंबर 2021 को प्रकाशित किया गया था। बयान में कहा गया है, ''ये मसौदा नियम इन पहलुओं में संशोधन करने का प्रस्ताव करते हैं--इन केंद्रों की स्थापना के लिए अर्हता, जांच के नतीजों को उपकरण से सर्वर में स्वचालित रूप से प्रेषित करने, एक राज्य में पंजीकृत वाहनों को दूसरे राज्य में जांच योग्य बनाना और एक वाहन को उपयोग लायक नहीं घोषित करने के लिए मानदंड। स्वचालित जांच केंद्र (एटीएस) किसी वाहन की फिटनेस का पता लगाने के लिए विभिन्न जरूरी जांच को स्वचालित तरीके से करने में मशीनी उपकरण का उपयोग करते हैं।

विवेक तन्खा बोले- वापसी का नहीं बसाने का सोचिए

कश्मीरी पंडितों की घर वापसी का खर्चा उठाएगी शिवराज सरकार

भोपाल।

मध्य प्रदेश में रहने वाले कश्मीरी पंडितों को शिवराज सरकार ने एक बड़ा ऑफर दिया है। इस मामले पर प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मजबूरीवश कश्मीर छोड़कर रह रहे पंडित परिवार यदि फिर से कश्मीर जाकर बसना चाहते हैं तो शिवराज सरकार उनकी मदद करेगी। पंडितों की घर वापसी का सारा खर्च सरकार उठाएगी। वहीं मामले को लेकर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित इतने सक्षम है कि वे अपने परिवहन का खर्चा खुद उठा सके लेकिन मुख्य समस्या तो वहां कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने उठाए थे सवाल...फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने कहा था कि मुझे फ़िल्म देखने की जरूरत नहीं है, मैंने कश्मीरी पंडितों का दर्द खुद देखा है। 32 साल पहले कश्मीर में क्या हुआ मुझे पता है। पीड़ित कश्मीरी पंडित 32 साल से न्याय मांग रहे हैं, लेकिन न्याय नहीं मिला। बड़ा सवाल यह है कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा भी कैसे? उनके पुनर्वास के इंतजाम क्या हैं।

विवेक तन्खा के इन्हीं सवालों के जवाब में नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि द कश्मीर फाइल्स फिल्म नहीं देखने की बात कहने वाले कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा जी से मेरा निवेदन है कि वो मध्य प्रदेश में रह रहे उन कश्मीरी पंडितों की सूची उपलब्ध करा दें जो वापस जाना चाहते हैं। अब गृहमंत्री का बयान सामने आने के बाद राज्यसभा सांसद तन्खा ने फिर से सवाल उठाए हैं। उन्होंने गृहमंत्री के प्रस्ताव का स्वागत किया, साथ ही कहा कि कश्मीरी पंडितों को परिवहन व्यवस्था की जरूरत नहीं बल्कि सुरक्षा और पुनर्वास की नीति चाहिए। उन्होंने कहा, %अभी मैंने नरोत्तम जी का कश्मीरी पंडितों के विषय में बयान सुना। वैसे तो मैं उनके बयान का स्वागत करता हूं क्योंकि उन्होंने कहा है कि वे कश्मीरी पंडितों को वापस ले जाने की पूरी व्यवस्था करेंगे। पर मैं अपने भाई से बोलना चाहता हूं कि समस्या वापस जाने की नहीं है।

कश्मीरी पंडित सक्षम हैं, वापस तो वे खुद जा सकते हैं। उनकी मुख्य समस्या तो वापस जाकर उनके सामने आने वाली परेशानियों की है। समस्या है उनकी सम्पत्ति की, जो चली गई है, वो उनको कैसे वापस मिलेगी या कैसे उसका मुआवजा मिलेगा। समस्या है, वहां जाकर वो करेंगे क्या, उनकी नौकरियों की। समस्या है उनके जो तमाम मंदिर हैं अन्य स्थान हैं उनकी देखरेख कौन करेगा। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कौन रहेगा, कौन उनकी सुरक्षा करेगा?

बेंगलुरु से मैसूर की दूरी 75 मिनट में होगी तय, अक्टूबर में देश को मिलेगी एक और नेशनल हाईवे की सौगात

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग का 117 किलोमीटर लंबा खंड पूरा होने से बेंगलुरु से मैसूर तक की यात्रा समय घटकर सिर्फ 75 मिनट रह जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बेंगलुरु से मैसूर जाने में करीब तीन घंटे लगते है। यह काम अक्टूबर, 2022 तक पूरा हो जाएगा। गडकरी ने कई ट्वीट करते हुए कहा, ''कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 का बेंगलुरू-निदाघट्टा- मैसूर खंड, दस लेन का एक 117 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''इस हिस्से का निर्माण 8,350 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। दस लेन का एक 117 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''इस हिस्से का निर्माण 8,350 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इस हिस्से का निर्माण कार्य पूरा होने के नजदीक है और अक्टूबर, 2022 तक यह पूरा हो जाएगा। केंद्रिय मंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग दो महत्वपूर्ण शहरों के बीच संपर्क को बढ़ाएगा और इस क्षेत्र के पर्यटन और अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान करेगा।

गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्‍द्र मोदी के नेतृत्‍व में बड़ी जिम्‍मेदारी के साथ ऐसी कई बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की घोषणा की गई है। इन परियोजनाओं को भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने को लेकर हमारी अटूट प्रतिबद्धता है।

हिजाब मुद्दे पर मिस यूनिवर्स हरनाज संधू ने कहा- उन्हें उड़ने दीजिये, उनके पंख मत काटिये

मुंबई। मिस यूनिवर्स-2021 हरनाज संधू भारत वापिस आ चुकीं है और उनका एक बयान काफी सुर्खियां बटौर रहा है। दरअसल, हरनाज संधू ने हिजाब सहित विभिन्न मुद्दों पर लड़कियों को निशाना बनाए जाने पर रोक लगाने की अपील की है। संधू ने कहा कि वे जैसे चाहती हैं उन्हें जीने दें। बता दें कि हाल ही में कर्नाटक हाई कोर्ट की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने हाल में उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें शैक्षणिक संस्थानों की कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति मांगी गई थी। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि हिजाब इस्लाम में आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है और शैक्षणिक संस्थानों में निर्धारित पोशाक नियम का पालन किया जाना चाहिए। वहीं अब इस मुद्दे पर हरनाज संधू का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो यहां 17 मार्च को मिस यूनिवर्स-2021 की घर वापसी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम का था। वहीं अब इस मुद्दे पर हरनाज संधू का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो यहां 17 मार्च को मिस यूनिवर्स-2021 की घर वापसी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम का था। इस दौरान पत्रकारों के सावलों के जवाब में उन्होंने समाज में लड़कियों को निशाना बनाए जाने पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से बताइए, आप हमेशा लड़कियों को ही क्यों निशाना बनाते हैं? अब भी आप मुझे निशाना बना रहे हैं। जैसे, हिजाब के मुद्दे पर लड़कियों को निशाना बनाया जा रहा है. उन्हें (लड़कियों को) उनकी मर्जी से जीने दीजिये, उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचने दीजिये, उन्हें उड़ने दीजिये. उनके पंख मत काटिये, काटने ही हैं तो अपने पंख काटिये।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अनुभव-प्राप्ति के लिए काफ़ी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती। - अज्ञात

संपादकीय

पुरुष परिवार नियोजन

परिवार नियोजन पुरुषों के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है, क्योंकि उनके पास बचाव के विकल्प कम होते हैं। दशकों से एक ऐसे गर्भ निरोधक की खोज चल रही है, जो पुरुषों के लिए उपयुक्त हो। ऐसे में, यह किसी खुशखबरी से कम नहीं है कि अमेरिका में वैज्ञानिकों को पुरुषों के लिए गर्भ निरोधक गोली बनाने में कामयाबी मिल गई है और जल्दी ही इसका मानव परीक्षण शुरू हो जाएगा। इस गोली या दवा को 99 प्रतिशत कारगर बताया जा रहा है। चूहों पर किए गए प्रयोग में सफलता मिली है। सबसे बड़ी बात, इस दवा का कोई नकारात्मक प्रभाव सामने नहीं आया है। यह भी अनुकूल बात है कि यह गैर-हारमोनल दवा है। पहले के प्रयोगों में कुछ हारमोनल प्रयास हुए थे, जिन्हें सेहत के लिए प्रतिकूल माना गया था, तो वैज्ञानिकों ने शोध की दिशा बदल दी थी। इसमें कोई शक नहीं कि इस दवा की सफलता से अन्य गर्भ निरोधकों पर पड़ने वाले बोझ को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। यह बात गौर करने की है कि इस दवा का हर तरह से निरापद होना जरूरी है, क्योंकि यह किसी बीमारी की दवा नहीं है। बीमारी की दवा के मामले में लोग यह मानकर चलते हैं कि किसी बड़े दर्द से मुक्ति में कोई छोटा दर्द मिलता है, तो कोई विशेष बात नहीं। यह सामान्य तर्क पुरुष गर्भ निरोधकों के मामले में काम नहीं करेगा। इसलिए वैज्ञानिकों को सावधानी के साथ इस दवा को मानव स्वास्थ्य के अनुकूल बनाना होगा और यह साबित करना होगा कि इसका कोई अल्पकालीन या दीर्घकालीन असर नहीं होगा। इंसानों पर शोध की दिशा में काम आगे बढ़ चुका है, लेकिन विशेषज्ञों को यही चिंता है कि दवा सोलह आना सुरक्षित रहे, ताकि उसे बाजार में हाथों-हाथ स्वीकार कर लिया जाए। मिनियापोलिस में मिनेसोटा यूनिवर्सिटी के एमडी अब्दुल्ला अल नोमन के मुताबिक, कई कोशिशों के बावजूद, कोई भी प्रभावी व सुरक्षित पुरुष गर्भ निरोधक अभी तक मानव नैदानिक परीक्षणों में सफल नहीं हो पाया है। नोमन जैसे वैज्ञानिक जानते हैं कि गर्भ निरोध की गोलियों के लिए सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण होगी, इसलिए वैज्ञानिक संस्थान भी इस शोध को लेकर बहुत गंभीर हैं। बहरहाल, चार हफ्तों के दौरान वैज्ञानिकों ने नर चूहों को वायसीटी529 नामक एक रसायन की दैनिक खुराक दी थी और पाया कि उनके शुक्राणुओं की संख्या गिर गई है। उसके बाद जब दवा बंद की गई, तो चार से छह सप्ताह के बीच चूहे फिर प्रजनन करने में सक्षम हो गए और उनमें कोई नकारात्मक प्रभाव भी नहीं देखा गया। ऐसी सफलता पहले कभी नहीं मिली थी। नैदानिक परीक्षणों में विभिन्न अणु शामिल हैं, पर वे सभी उस टेस्टोस्टेरोन, पुरुष यौन हारमोन को लक्षित करते हैं, जिसका वजन बढ़ाने, अवसाद और अन्य नकारात्मक प्रभावों से संबंध है। हालांकि, वैज्ञानिक मानकर चल रहे हैं कि यह जो दवा बन रही है, वह पुरुषों या इंसानों के प्राकृतिक हारमोनल ढांचे को कतई प्रभावित नहीं करेगी और इनका असर अल्पकालीन होगा। क्या इसका कोई दूरगामी असर भी हो सकता है, वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब खोज लेना चाहते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में कई बार तात्कालिक या व्यावसायिक फायदे के लिए दीर्घकालिक नुकसान को नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन इस मामले में वैज्ञानिक ऐसी कोई गलती नहीं करना चाहते हैं। बाजार को ऐसी किसी दवा का लंबे समय से इंतजार है, लेकिन वैज्ञानिक चाहते हैं कि थोड़ा वक्त भले लग जाए, दवा पूरी तरह से परीक्षण के बाद ही बाजार में आए।

आज के कार्टुन

आत्मविस्तार

श्रीराम शर्मा आचार्य/ लोग क्या कहते हैं' इस आधार पर दु:खी होने की आदत डालेंगे तो सदैव दु:ख भोगना पड़ेगा। इससे कौन रोक सकता है कि हम सबको अपना समझें, प्यार करें और उस प्यार एवं अपनेपन के कारण जो आनंद उपजे उसका उपयोग करें। अपने प्रेम भाव के कारण बहुत अंशों में दूसरों का व्यवहार नरम, मधुर, सुखकर हो जाता है। कदाचित किसी ऐसे जड़ से पाला पड़े जो उलटा ही उलटा चलता हो तो उसकी गतिविधियों को उपेक्षा की दृष्टि से देखिए। आप तो अपने कर्त्तव्य में प्रसन्न रहिए। संसार में अनेक दुष्टात्मा भरे पड़े हैं, उनके होने से आपको कुछ शोक-संताप नहीं होता। फिर क्या कारण है कि अमुक व्यक्ति के दोषों का दंड आप अपने को दें। दूसरों के बुरे विचार-कार्यों से अपने को प्रभावित न होने दें। सहनशीलता और समझौते की नीति से काम लीजिए। बदला या कर्ज चाहने की इच्छा छोड़कर विशुद्ध प्रेम का, आत्मभाव का प्रसार कीजिए। इससे आप अपने लिए एक स्वर्ग की रचना आसानी से कर सकेंगे। आध्यात्मिक साधना में 'अहंभाव का विस्तार करना'-तत्व रूप में विद्यमान है। आत्मोन्नति यही तो है कि अपनेपन के दायरे को बड़ा बनाया जाए। जिनका अपनापन अपने शरीर तक ही है वे कीट-पतंग से नीची श्रेणी के हैं, जो अपनी संतान तक आत्मभाव को बढ़ाते हैं, पशु-पक्षी उनसे कुछ ऊंचे हैं, जिनका अहंकार अपनी संस्था, राष्ट्र तक है वे मनुष्य हैं, जो मानव जाति को अपनेपन से ओत-प्रोत देखते हैं, वे देवता हैं, जिनकी आत्मीयता चर-अचर तक विस्तृत है वे जीवन मुक्त परम सिद्ध हैं। जीव अणु है, छोटा है, सीमित है। ईश्वर महान है, विभु है, व्यापक है। जब जीव ईश्वर में तद्रूप होने के लिए बढ़ता है, तो वह भी महानता, विभुता, व्यापकता के गुणों में समन्वित होने लगता है। जिन पर भूत चढ़ता है, उनके वचन और आचरण भूत जैसे हो जाते हैं। ईश्वरीय कृपा की किरण जिन महात्माओं पर पड़ती है, उनकी स्पष्ट पहचान 'आत्मभाव का विस्तार' है। जिसका स्वार्थ जितने कम लोगों तक सीमित है, वह ईश्वर से उतना ही दूर है। जो आत्मभाव का जितना विस्तार करता है, अधिक लोगों को अपना समझता है, दूसरों की सेवा-सहायता करना कर्त्तव्य समझता है, और उनके सुख-दु:ख में अपना सुख-दु :ख मानता है, वह ईश्वर के उतना ही निकट है। आत्मविस्तार और ईश्वर आराधना एक ही क्रिया के दो नाम हैं।

समृद्ध खेती से ही पंजाब का स्थाई विकास

देविंदर शर्मा

पंजाब में लोगों ने निर्णायक जनादेश दे दिया है, जो दरअसल बदलाव की खातिर दिया गया फैसला है, किंतु यह अपने साथ जो चुनौतियां लेकर आया है वे नई सरकार के लिए बहुत बड़ी हैं। लोगों की अपेक्षाएं काफी ज्यादा हैं और पंजाब की आर्थिकी जिस कदर खस्ताहाल है, इससे इंकार नहीं कि आगे राह अत्यंत कठिन है। अगली राह परंपरागत कार्यशैली से हरगिज़ नहीं पूरी होगी। जिस सामाजिक-आर्थिक संकट के बोझ तले आज पंजाब दबा हुआ है, वो पिछले तीन दशकों के कुशासन का परिणाम ज्यादा है, इससे उबरने की भरोसेमंद राह को नई आर्थिक रूपरेखा की दरकार है। यह प्राप्ति केवल नए उद्योगों की स्थापना और व्यापार को विस्तार देने के लिए निवेश की चाह रखकर नहीं हो पाएगी। जब सब ओर उद्योगों में नई जान फूंकने और उद्योग-मित्र नीतियां बनाने की जोरदार मांग उठी हुई है, ऐसे में पंजाब को अपनी अर्थव्यवस्था की तरक्की के लिए 'डबल इंजन अर्थव्यवस्था' के सिद्धांत अपनाकर पुनर्संरचना करने की बेतरह जरूरत है। इसके तहत उद्योगों को पुनर्जीवन देना और ठीक उसी समय कृषि में प्राण फूंकने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। यहां 'डबल इंजन' की सरकार का मतलब वह राजनीतिक नारा नहीं है जिसका अर्थ केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होता है। यह 'डबल-इंजन' अर्थव्यवस्था के दो महत्वपूर्ण पहियों- उद्योग और कृषि-को एक समान गति देने वाला है ताकि अर्थव्यवस्था की नई किंतु स्थाई नींव बन सके। जहां पिछले सालों के दौरान आर्थिक सुधारों का ध्यान पूर्वत- उद्योगों पर केंद्रित रहा है वहीं खेती की अनदेखी ने कृषि संकटों को और बढ़ाया है। इसका असर जितना भारत का अन्न भंडार कहे जाने वाले पंजाब पर हुआ है उतना और कहीं नहीं। प्रति हेक्टेयर 11 टन अनाज उगाने की क्षमता पाकर जो विश्व के उच्चतम उत्पादनों में एक है, इसके बावजूद पिछले सालों में किसानों पर कृषि ऋण बढ़ता गया। इसके अलावा पंजाब प्रांत किसानों द्वारा आत्महत्या के मुख्य स्थान में तब्दील हो गया। नई दिल्ली की सीमा पर चले किसान आंदोलन का स्पष्ट संदेश है कि किसानों ने आर्थिक नीति में प्रणालीगत बदलाव लाने की जो मांग की है, कहीं वह हालिया विधानसभा चुनाव के शोर-शराबे में खो न जाए। उद्योगों की एवज में कृषि की बलि देने की बजाय जरूरत है खेती के धंधे में नई जान डालने और इसको अर्थव्यवस्था का दूसरा पहिया समझने की। केवल कृषि में वह दम है जो अर्थव्यवस्था को पुन: पटरी पर लाए, बशर्ते हम खंडित हुई खाद्य प्रणाली को फिर से जोड़ दें। एक जीवंत कृषि लोगों को फायदेमंद रोजगार देने की क्षमता रखती है और शहरों में नौकरियां पैदा करने को सरकारों पर जो दबाव रहता है उसे घटा सकती है। पंजाब में कृषि-योग्य भूमि का 98.5 फीसदी क्षेत्र निश्चित सिंचाई के अंतर्गत होना व बृहद कृषि विपणन तंत्र, जिसमें गांवों तक संपर्क मार्ग शामिल हैं, ग्रामीण रूपांतरण के लिए यह मजबूत नींव पहले से मौजूद है।

आम आदमी पार्टी की सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार लाने की ओर पहलकदमी कर दी है, इस सूची में खेती को शामिल करने और इसको गैर-कृषि गतिविधियों से जोड़ने पर यह काम अर्थव्यवस्था को गति में उत्प्रेरक खुराक की तरह बन जाएगा। शुरुआत के लिए, सघन कृषि से पर्यावरण पर पड़ा बहुत बड़ा असर, जैसे कि मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, भूमिगत जल ह्रास, पराली जलाने पर प्रदूषण और जीवनशैली जनित बीमारियां शामिल हैं, इनसे निजात पाने के लिए पंजाब को 'सदाबहार क्रांति' की ओर बढ़ने की जरूरत है। अवश्य ही ताकतवर लॉबियां दिग्भ्रमित करने वाले तमाम प्रलंयकारी नुस्खे नई सरकार को भी सुझाएंगी किंतु तगड़ी राजनीतिक इच्छाशक्ति द्वारा उनको दरकिनार करके पंजाब को 'सदाबहार क्रांति' का ध्वजवाहक बनाया जा सकता है। इसके लिए अनुसंधान और शिक्षा पाठ्यक्रमों में यथेष्ट बदलाव लाने की जरूरत पड़ेगी और साथ ही कृषि संबंधी विस्तारित गतिविधियों की पुर्नसंरचना करने की भी। इसमें पर्यावरणीय सेवा दृष्टिकोण का समावेश भी हो, यह वह सिद्धांत है, जो प्राकृतिक स्रोत बचाने वाले किसानों को अतिरिक्त प्रोत्साहन आय प्रदान करता है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य व्यवस्था शिखर सम्मेलन 2021 के वैज्ञानिक समूह के मुताबिक, खाद्यान्न उगाने की असल कीमत उपभोक्ता द्वारा अदा किए जाने वाले मूल्य से लगभग तीन गुणा ज्यादा है। इसके हानिकारक असर को समझे बगैर ज्यादातर समाज को इसकी असल कीमत पर्यावरणीय और स्वास्थ्य के नुकसान के रूप में चुकानी पड़ती है। अन्न पैदा करने की एवज में पर्यावरणीय ह्रास, खासकर पंजाब जैसे क्षेत्र में, जो फसल पैदा करने के लिए रसायनों पर काफी निर्भर है, इसको घटाना होगा। फसल विविधता को लेकर किसानों से गेहूं-चावल चक्र से परे हटने की उम्मीद की जाती है, विकल्प में जो फसलें सुझाई जाती हैं उनका न्यूनतम खरीद मूल्य न होना और मददगार विपणन तंत्र का अभाव अड़चन है। केरल के उदाहरण से सीख लेकर, जहां राज्य सरकार ने उत्पादक को लागत पर 20 प्रतिशत लाभ देने हेतु 16 सब्जियों एवं फलों के लिए न्यूनतम क्रय मूल्य का भरोसा दिया है,इससे नीचे कीमत गिरने पर सरकार दखल देकर भरपाई करती है, यह समीकरण पंजाब में भी लागू किया जाना चाहिए। इस मद में पंजाब को शुरुआत में 250 करोड़ का इंतजाम करना होगा। इसके अलावा, दिल्ली में मदर डेयरी के विशाल दूध नेटवर्क की तर्ज पर पंजाब भी अपने खुदरा सब्जी विक्रेता केंद्र बना सकता है। इसी तरह तिलहन, दलहन, मोटा अनाज़ और तेल-बीजों के लिए भी योजना बन सकती है। कृषि सुधार तब तक व्यवहार्य नहीं होगा जब तक कि पंजाब पहले 'किसान-आय एवं भलाई आयोग' की स्थापना न करे, जिसके अधिकार क्षेत्र में एक शक्ति खेती से न्यूनतम मासिक आय सुनिश्चित करने की हो और यह 25000 रुपये मासिक से कम न हो। यदि कृषि को आर्थिक रूप से व्यावहारिक और टिकाऊ बनाना है, तो ऐसी कोई वजह नहीं लगती कि पंजाब 'डबल इंजन' आर्थिक दृष्टिकोण अपनाकर नई आर्थिक क्रांति का अग्रदूत न बन पाए।

लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

नए नियमों के तहत खेला जाएगा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

क्रिकेट को और ज्यादा रोमांचक बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिनमें अक्तूबर 2017 में बनाए गए कुछ नियम भी शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए नियम बनाने वाली संस्था 'मेरिलबोन क्रिकेट क्लब' (एमसीसी) के कानून प्रबंधक फेजर स्टीवर्ट का कहना है कि 2017 कोड के आने से खेल के कई नियम बदल गए हैं। उनके मुताबिक 2019 में आए उस कोड का दूसरा संस्करण ज्यादातर स्पष्टीकरण और थोड़ा बहुत संसोधन था किन्तु 2022 कोड बड़ा बदलाव करता है। दरअसल एमसीसी ने अब क्रिकेट के कई नियमों में बदलाव किए हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में इसी साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले लागू किए जाएंगे और 1 अक्तूबर 2022 से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभावी होंगे। इनमें से कुछ नियम इंग्लैंड के द हंड्रेड लीग में लागू किए गए थे। उल्लेखनीय है कि एमसीसी के सुझाव पर ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) नियमों को लागू करती है। एमसीसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किए जा रहे नए नियमों को आधुनिक क्रिकेट में नवीनता लाने वाला कदम माना जा रहा है। एमसीसी ने जिन नियमों में बदलाव किया है, उसमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव कैच आउट होने वाले खिलाड़ी को लेकर है। नए नियम के तहत अब कैच आउट होने पर उस खिलाड़ी की जगह आने वाला नया बल्लेबाज ही स्ट्राइक लेगा, बशर्ते वह ओवर की अंतिम गेंद न हो। इससे पहले जब स्ट्राइक पर मौजूद बल्लेबाज का कैच लिया जाता था तो उस दौरान क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज रन लेने के लिए दौड़ते थे। अगर कैच लेने से पहले नॉन स्ट्राइक बल्लेबाज हॉफ पिच क्रॉस कर जाता था तो वह अगली गेंद पर स्ट्राइक लेता था। नियम 18.11 में बदलाव के बाद यदि कोई बल्लेबाज कैच आउट हो जाता है तो नया बल्लेबाज अगली गेंद का सामना करने के लिए स्ट्राइक पर आएगा, जब तक कि वह ओवर खत्म नहीं हो, भले ही बल्लेबाजों ने खिलाड़ी के आउट होने से पहले अपने छोर बदल लिए हों। एमसीसी के सुझाव पर इस नियम को पिछले साल इंग्लैंड तथा वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने द हंड्रेड टूर्नामेंट में ट्रायल किया था। एमसीसी द्वारा नियमों में बदलाव के तहत नियम 41.3 में परिवर्तन करते हुए गेंद पर थूक लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, साथ ही फील्डरों के भी मीठी चीजें खाकर लार को गेंद पर लगाने पर रोक लगा दी गई है। गेंदबाज अब गेंद की चमक को बरकरार रखने के लिए लार का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे और गेंद पर लार का इस्तेमाल अब गेंद की स्थिति में बदलाव के अन्य अनुचित तरीकों की तरह ही माना जाएगा। दरअसल कोरोना काल में दोबारा से क्रिकेट का नया दौर शुरू होने के बाद क्रिकेट में कई चीजें बदली थी, जिनमें से एक गेंदबाज द्वारा गेंद पर थूक लगाने पर पाबंदी भी शामिल थी। एमसीसी द्वारा इस पर की गई रिसर्च में पाया गया कि गेंद पर थूक नहीं लगाने से गेंदबाजों को मिलने वाली स्विंग पर प्रभाव नहीं पड़ा। हालांकि कोरोना काल में गेंदबाज गेंद की चमक बनाए रखने के लिए पसीने का इस्तेमाल करते रहे हैं, जो समान रूप से प्रभावी है लेकिन एमसीसी द्वारा गेंद पर लार लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों में तीसरा बड़ा बदलाव डेड बॉल को लेकर नियम 27.4 और 28.6 में बदलाव है। दरअसल डेड बॉल कभी-कभी मैच में काफी अहम भूमिका निभाती है। नए नियम के तहत मैदान पर अचानक किसी प्रशंसक, जानवर या अन्य किसी वस्तु के आ जाने पर अब अम्पायर को यह अधिकार होगा कि वह खेल में व्यवधान उत्पन्न होने की स्थिति में यदि किसी टीम को उस वजह से नुकसान होता है तो उस गेंद को 'डेड बॉल' करार दे सके। अभी तक क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में फील्डिंग करने वाली टीम के किसी सदस्य की अनुचित मूवमेंट को डेड बॉल से दंडित किया जाता था लेकिन अब ऐसा होने पर बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच पेनल्टी रन मिलेंगे, जिससे गेंदबाजी करने वाली टीम के सदस्य ज्यादा सतर्क रहेंगे। एमसीसी के नए नियमों में वाइड गेंद तय करते समय भी नियम अलग निर्धारित किया गया है। नए नियम के तहत यह ध्यान रखा जाएगा कि गेंदबाज के रनअप लेने के समय बल्लेबाज कहां खड़ा था। इसे लेकर एमसीसी का कहना है कि उस गेंद को वाइड कहना अनुचित होगा, जो उस जगह पर पड़ी है, जहां गेंदबाज के एक्शन में आने के समय बल्लेबाज खड़ा था। इसी प्रकार नियम 25.8 में बदलाव के बाद अब पिच छोड़ने को मजबूर करने वाली गेंद नो बॉल मानी जाएगी। दरअसल अब अगर गेंद पिच के बाहर गिरती है तो नए नियम के तहत बल्लेबाज के बल्ले का कुछ हिस्सा या उसके पिच के भीतर रहने पर उसे गेंद खेलने का अधिकार होगा और उसके बाहर जाने पर अंपायर डेड बॉल का इशारा करेंगे। मांकडिंग आउट को लेकर भी एमसीसी ने अपने नियम 38.3 में संशोधन किया है। गेंदबाजी छोर पर खड़े बल्लेबाज को गेंद फेंकने से पहले आउट किए जाने वाले रन आउट को मांकडिंग कहा जाता है और 74 साल बाद मांकडिंग को अनुचित खेल की श्रेणी से हटाया गया है। 1974 में पहला ऐसा वाकया हुआ था, जब भारत के वीनू मांकड़ ने आस्ट्रेलिया के बिल ब्राउन को दूसरे छोर पर आउट किया था। तब मांकड़ के नाम पर ही क्रिकेट जगत में इसे नकारात्मक तौर पर 'मांकडिंग' नाम दिया गया था। हालांकि सुनील गावस्कर इत्यादि भारतीय खिलाड़ियों ने इसे वीनू मांकड़ के प्रति अपमानजनक बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया था। अब इसी मांकडिंग को एमसीसी द्वारा वैध आउट के रूप में स्वीकार किया जाना भारत के लिए बड़ी राहत का विषय है। एमसीसी द्वारा अब दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज को रन आउट करने संबंधी नियम 41.16 को नियम 41 (अनुचित खेल) से हटाकर नियम 38 (रन आउट) में डाल दिया गया है, जिसमें नॉ स्ट्राइक छोर के बल्लेबाज को रन आउट करने का प्रावधान है। नए नियम में अब मांकडिंग को अनुचित की श्रेणी से हटा दिया गया है और अब यदि नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाता है तो गेंदबाज गिल्लियां बिखेरकर उसे रन आउट कर सकता है। अभी तक इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता था और ऐसा किए जाने पर काफी हो-हल्ला होता था। मांकडिंग को लेकर बने नए नियम के बाद अब बल्लेबाज क्रीज नहीं छोड़ेंगे और इससे रनों और रन आउट होने की संख्या पर भी असर पड़ेगा।

सू-दोकू नवताल -2079

8		5		6	7		1	
	6		8	9			7	
3								2
	3		4		9			
6		2		1		4		3
			6		5		2	
2								1
	1			7	6		4	
	9		5	4		2		6

सू-दोकू -2078 का हल

5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	2	9	4	8	5	7	6
9	8	6	7	3	5	1	4	2
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	9	6	2	3	7	1	8
7	1	3	8	5	9	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2079

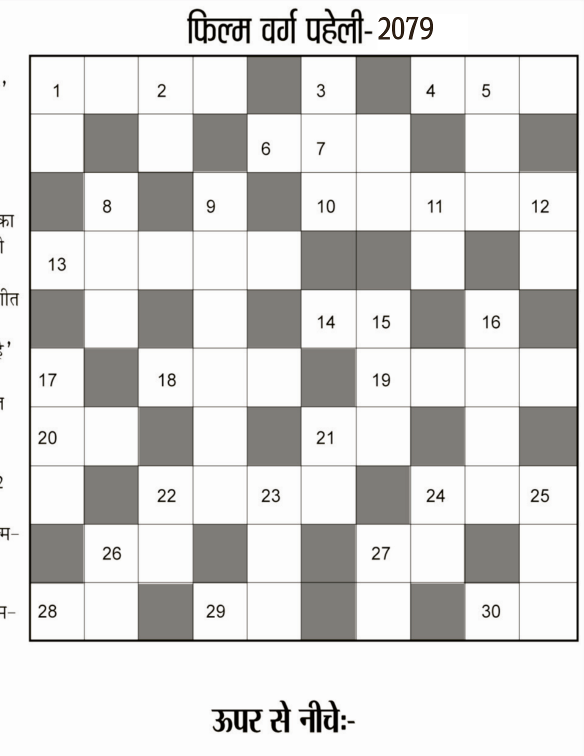

बायें से दायें:-

1. 'चलो इक बार फिर से अजनबी बन जाएं' गीत वाली सुनील दत्त, माला सिन्हा की फिल्म-4
4. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'पंख होते जो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत और संध्या की फिल्म-6
10. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'आंखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है आता है जाता है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-5
14. 'बम चिकी चिकी बम' गीतवाली फिल्म-2
18. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की फिल्म- 4
20. 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म 'कोहराम' की नायिका कौन थी ?-2
21. मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ये गलियां ये चौबारा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जिंदगी प्यार का गीत है' गीत वाली फिल्म-3
26. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली फिल्म-2
27. शाहिद कपूर, करीना कपूर अभिनीत फिल्म-2
28. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी अभिनीत फिल्म-2
29. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
30. 'सपनों का सौदागर' फिल्म की नायिका-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
2. फिल्म 'बेमिसाल' में अमिताभ के साथ नायिका कौन थी ?-2
3. अक्षय कुमार, रवीना, पूनम झवेर की फिल्म-3
5. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-3
7. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी देओल, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते रहे सारी रात हम' गीत वाली फिल्म-2,1,3
11. अमिताभ, वहीदा, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
12. फिल्म 'निकाह' के संगीतकार कौन थे-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली फिल्म-4
17. 'तेरी ये बिंदिया बोले' गीतवाली फिल्म-3
21. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
22. संजय, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
24. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीतवाली फिल्म-2
25. फिल्म 'हस्ती' की नायिका कौन थी ?-3
26. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'हर एक घर में दिया' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2078

व्हीकल का फिटनेस टेस्ट कराने में नहीं होगी कोई परेशानी

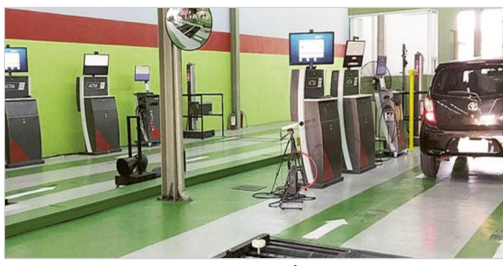

बिजनेस डेस्क।

वाहनों के फिटनेस टेस्ट में वाहन मालिकों को होने वाली दिक्कतों और गड़बडियों को देखते हुए सरकार अब नियमों में बदलाव की तैयारी कर रही है। 25 मार्च 2022 को जारी एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन में सरकार ने स्वचालित टेस्टिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़े नियम और शर्तों को बदला है। वहीं, कुछ श्रेणी के वाहनों के लिए 1 अप्रैल 2023 से एटीएस से फिटनेस टेस्ट कराना अनिवार्य करने की बात कही गई है। नए नियमों के तहत, वाहन मालिक अपनी गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट देश में कहीं भी करा सकेंगे, भले ही वाहन किसी भी राज्य में रजिस्टर्ड हो। फिलहाल वाहन का फिटनेस टेस्ट वहीं होता है जहां पर उसका पंजीकरण कराया गया है। इससे खासकर, ट्रांसपोर्टर्स और भारी वाहन मालिकों को काफी असुविधा होती है। ड्राफ्ट नोटिफिकेशन में 1 अप्रैल 2023 से भारी माल वाहक वाहनों और भारी यात्री वाहनों का फिटनेस टेस्ट एटीएस से करने को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। वहीं मध्यम माल वाहक वाहनों, यात्री वाहनों और हल्के माल वाहक वाहनों के लिए एटीएस से फिटनेस टेस्ट की अनिवार्यता को 1 जून 2024 से लागू करने का प्रस्ताव दिया गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशनों की मान्यता, लाइसेंसिंग और नियंत्रण से जुड़े नियम में परिवर्तन किया गया है। फिटनेस टेस्टिंग स्टेशनों की स्थापना से जुड़े नियमों को सरल किया गया है। फिटनेस टेस्ट के परिणाम में किसी भी तरह की हेराफेरी और गड़बड़ी को रोकने के लिए इन्हें स्वचालित बनाया गया है। फिटनेस टेस्ट के रिजल्ट्स को सीधे सर्वर पर अपलोड किया जाएगा।

टाटा एआईए की कुल प्रीमियम आय 14,000 करोड़ रुपये रहने की उम्मीदः सीईओ

नयी दिल्ली ।

निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को चालू वित्त वर्ष में अपनी कुल प्रीमियम आय में 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 14,000 करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवीन तहिल्यानी ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में यह संभावना जताई। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 10 महीनों में बीमा उद्योग की वृद्धि मुख्य रूप से आधार प्रभाव के कारण लगभग 20 प्रतिशत रही है जबकि टाटा एआईए के लिए यह नए व्यापार प्रीमियम पर लगभग 32 प्रतिशत रही है। इस जीवन बीमा कंपनी ने वर्ष 2020-21 में कुल 11,105.09 करोड़ रुपये की प्रीमियम आय अर्जित की थी। तहिल्यानी ने कहा, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में हम 32 प्रतिशत और वर्ष के पहले दस महीनों में 40 प्रतिशत के करीब बढ़े। मुझे उम्मीद है कि वर्ष के अंत तक नए कारोबार प्रीमियम में लगभग 35 प्रतिशत वृद्धि होगी और कुल प्रीमियम में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि रहेगी। वृद्धि होगी और कुल प्रीमियम में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि रहेगी। हमारा कुल प्रीमियम निश्चित रूप से इस साल 14,000 करोड़ रुपये से अधिक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद बीमा को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। हालांकि उद्योग को ग्राहकों के बीच जागरूकता पैदा करती रहनी होगी।

कोविड महामारी की वजह से 80 प्रतिशत लोगों ने कार खरीदने की योजना टाली : रिपोर्ट

नयी दिल्ली ।

कोविड-19 महामारी ने करीब 80 प्रतिशत संभावित ग्राहकों को कार या चारपहिया वाहन खरीदने का फैसला टालने के लिए मजबूर किया जबकि दोपहिया वाहनों (बाइक, स्कूटी आदि) के मामले में यह संख्या 82 फीसदी रही है। परिवहन परिदृश्य के बारे में मोबिलिटी आउटलुक की तरफ से जारी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति बढ़ते रुझान के बीच करीब 40 प्रतिशत लोग इस साल दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की मंशा रखते हैं लेकिन चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहन के मामले में यह हिस्सा पिछले साल की तरह 33 प्रतिशत ही है। करीब 2.56 लाख संभावित ग्राहकों के बीच कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 80 फीसदी प्रतिभागियों ने महामारी से जुड़े असर की वजह से कार खरीदने की योजना टाल दी। कार की खरीद टालने वाले लोगों की संख्या 82 फीसदी रही है। रिपोर्ट कहती है, ''इस साल वाहन खरीद का फैसला टालने वाले लोगों का अनुपात बढ़ा है। इसका मतलब है कि कोविड-19 के दुष्प्रभावों से उबरने में अभी समय लगेगा।''रिपोर्ट के मुताबिक, चारपहिया वाहनों की इच्छा रखने वाले 18 प्रतिशत लोग निजी बचत के जरिये वाहन खरीदना चाहते हैं, जबकि वर्ष 2021 में यह संख्या 14 प्रतिशत थी। इसके अलावा दोपहिया वाहनों के 40 प्रतिशत संभावित खरीदार इलेक्ट्रिक वाहन लेने की सोच रहे हैं।

एक साल पहले यह अनुपात 37 प्रतिशत पर था। वहीं चारपहिया वाहन के मामले में यह अनुपात 33 प्रतिशत पर ही टिका हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, खरीदारों को अब महसूस होने लगा है कि इलेक्ट्रिक वाहन भी परंपरागत वाहनों से मुकाबला कर सकते हैं और उन पर आने वाली लागत भी किफायती साबित होगी। हालांकि, चार्जिंग सुविधाओं को लेकर अभी उनके बीच भरोसा नहीं पैदा हो पाया है।

सेल, राष्ट्रीय इस्पात निगम, एनएमडीसी के कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल में शामिल

नयी दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनियों स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल), आरआईएनएल और एनएमडीसी के हजारों कर्मचारी सोमवार को देशव्यापी हड़ताल में शामिल हुए। इससे इस्पात कारखानों और खदानों में उत्पादन पर असर पड़ा है। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के एक अधिकारी ने कहा कि कुल 11,000 कर्मचारियों में से लगभग 8,000 गैर-कार्यकारी कामगार सोमवार से शुरू हुई दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण काम पर नहीं आये। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के काम पर न आने से उत्पादन प्रभावित हुआ। विशाखापत्तनम में तीन फर्नेस में एक ही में काम हो रहा है। एक पहले से ही रखरखाव संबंधी कार्यों की वजह से बंद है जबकि दूसरी इकाई को एहतियाती उपाय के कारण बंद किया गया है। एनएमडीसी संयुक्त खदान मजदूर संघ के सचिव राजेश संधू ने कहा कि कंपनी के करीब 10,000 गैर-कार्यकारी कर्मचारी विरोध में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में एनएमडीसी खानों और दफ्तरों में काम करने कर्मचारी आज हड़ताल में शामिल हुए।'' संधू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बचेली और कर्नाटक के दोनिमलाई जैसे महत्वपूर्ण खनन परिसरों में काम पूरी तरह से बंद है। स्टीर्ल वर्कर्स फेडरशन ऑफ इंडिया (एसडब्ल्यूएफआई) ने कहा कि आरआईएनएल के अलावा सेल के कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हुए। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष पी के दास ने कहा, ''छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कंपनी के संयंत्रों और खदानों में सेल के हजारों कर्मचारी काम पर नहीं आये। संगठन हड़ताल के प्रभाव का आकलन कर रहा है। सरकार की कथित गलत नीतियों को लेकर 10 केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने सोमवार से दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की शुरुआत की है। ने सोमवार से दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की शुरुआत की है। उनका कहना है कि इन नीतियों के कारण किसान, कामगार और आम लोगों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

टाटा कैपिटल की निजी इक्विटी इकाई ने स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश के लिए 955 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई। टाटा कैपिटल की निजी इक्विटी इकाई ने स्वास्थ्य सेवा कंपनियों में निवेश के लिए 955 करोड़ रुपये का वित्तपोषण जुटाया है। टाटा कैपिटल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड-दो (टीसीएचएफ दो) ने 955 करोड़ रुपये (12.6 करोड़ डॉलर) की निवेशक प्रतिबद्धताओं के साथ अपने कोष का वित्तपोषण पूरा कर लिया है। टाटा कैपिटल हेल्थकेयर ने 2012 में वित्तपोषण के पहले दौर में 411 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी ने वित्तपोषण के दूसरे दौर में कुछ वैश्विक फार्मा, चिकित्सा उपकरण कंपनियों समेत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एवं रणनीतिक संस्थानों से निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। टाटा कैपिटल हेल्थकेयर की प्रबंध भागीदार वी. चंद्रमौली ने कहा कि टीसीएचएफ-दो के जरिये उन स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान से संबंधित कंपनियों में इक्विटी हासिल की जायेगी, जिनकी भारतीय बाजार में अच्छी मौजूदगी है।

इंडिगो की इंदौर-जम्मू उड़ान का सिंधिया ने किया उद्घाटन

नयी दिल्ली । नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को इंडिगो की इंदौर-जम्मू मार्ग पर पहली उड़ान का उद्घाटन किया। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एक बयान में कहा कि सिंधिया ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम में इस उड़ान का उद्घाटन किया। इंदौर और जम्मू के बीच हफ्ते में चार दिन उड़ानें संचालित होंगी। ये उड़ानें सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को होंगी। इंडिगो ने कहा कि जम्मू से इंदौर की वापसी की उड़ानें भी इन्हीं चार दिनों में संचालित होंगी।

आरआईएनएल के 8,000 कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने से उत्पादन प्रभावित

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के करीब 8,000 कर्मचारियों के सोमवार को श्रमिक संगठनों की देशव्यापी हड़ताल में शामिल हो जाने से विशाखापटनम स्थित स्टील संयंत्र में उत्पादन प्रभावित हुआ। आरआईएनएल के एक अधिकारी ने बताया कि निर्माण संयंत्र के करीब 11,000 कर्मचारियों में से करीब 75 प्रतिशत कर्मचारी काम के लिए नहीं आए जिससे 75 लाख टन क्षमता वाले संयंत्र में उत्पादन पर असर पड़ा। ये कर्मचारी श्रमिक संगठनों की तरफ से बुलाई गई दो दिवसीय हड़ताल में शामिल हुए हैं। इस अधिकारी ने कहा कि संयंत्र के एक फर्नेस को पहले ही एहतियाती तौर पर बंद करना पड़ा था जबकि एक फर्नेस में पहले ही रखरखाव का काम चल रहा है। ईएनएल इस संयंत्र में प्रतिदिन करीब 18,000 टन स्टील का उत्पादन करती है।

बैजूस पश्चिम एशिया में क्यूआईए के साथ खड़ा करेगी नया कारोबार

नयी दिल्ली। शिक्षण प्रौद्योगिकी (एडटेक) कंपनी बैजूस ने पश्चिम एशिया में नया कारोबार खड़ा करने और कतर में एक शोध एवं विकास केंद्र की स्थापना के लिए कतर इंवेस्टमेंट अथॉरिटी (क्यूआईए) के साथ गठजोड़ किया है। बैजूस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि क्यूआईए के साथ मिलकर गठित होने वाली नई कंपनी पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका क्षेत्र के छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई से जुड़े समाधान पेश करेगी। इसके अलावा कतर की राजधानी दोहा में एक शोध एवं विकास केंद्र भी खोला जाएगा। इसके लिए बैजूस ने क्यूआईए के साथ मिलकर अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी के गठन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों ही कंपनियां मिलकर ऑनलाइन शिक्षण सामग्री तैयार करने का काम करेंगी। बैजूस के मुताबिक, क्यूआईए वर्ष 2019 से ही उसके प्रमुख निवेशकों में से एक रहा है। दुनिया के 120 से अधिक देशों में बैजूस छात्रों को शिक्षण सामग्री रोचक अंदाज में मुहैया कराती है।

जियो ने कैलेंडर महीने की वैधता वाली रिचार्ज योजना पेश की

नयी दिल्ली । देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने अपने प्रीपेड उपभोक्ताओं के लिए 259 रुपये में एक कैलेंडर महीने की वैधता वाली रिचार्ज योजना पेश की है। जियो कैलेंडर महीने की वैधता वाली प्रीपेड योजना लेकर आने वाली पहली दूरसंचार कंपनी है। जियो की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 259 रुपये की यह रिचार्ज योजना 1.5जीबी दैनिक डेटा और असीमित कॉलिंग सुविधाओं के साथ आती है। इसकी वैधता पूरे एक कैलेंडर महीने की है, फिर चाहे महीने में 30 दिन हों या 31 दिन। कंपनी ने कहा कि इस तरह एक वर्ष में रिचार्ज की संख्या केवल 12 होगी और योजना हर महीने की उसी तारीख को दोहराई जाती है जिस तारीख पर पहली बार रिचार्ज किया गया हो। साल की शुरुआत में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार कंपनियों को 30 दिन की वैधता के साथ प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज योजना देने को कहा था।

1 मई से लागू हो सकता है भारत-यूएई के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, 6090 सामानों को ड्यूटी फ्री कर सकेंगे निर्यात

दुबई।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस वर्ष एक मई से लागू हो सकता है। इस समझौते के तहत कपड़ा, कृषि, सूखे मेवे, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों के 6,090 सामानों के घरेलू निर्यातकों को यूएई के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत और यूएई ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर फरवरी में हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में मौजूदा 60 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''इस समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी जारी कर दी गई है और अब हम अपने सभी कागजी काम पूरे करने, सभी सीमा शुल्क अधिसूचनाओं को तेजी से जारी करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इसे एक मई, 2022 तक शुरू किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि इसे एक मई, 2022 तक शुरू किया जा सकता है। गोयल ने

दुबई एक्सपो में कहा, ''वर्तमान में हम यूएई को लगभग 26 अरब डॉलर के सामान का निर्यात कर रहे हैं। इसमें से लगभग 90 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले ही दिन सीमा शुल्क समाप्त हो जाएगा। अगले पांच या दस साल में बाकी 9.5 फीसदी (करीब 1,270 सामान) वस्तुओं पर भी सीमा शुल्क शून्य हो जाएगा।

बैजूस पश्चिम एशिया में क्यूआईए के साथ खड़ा करेगी नया कारोबार

नई दिल्ली ।

शिक्षण प्रौद्योगिकी (एडटेक) कंपनी बैजूस ने पश्चिम एशिया में नया कारोबार खड़ा करने और कतर में एक शोध एवं विकास केंद्र की स्थापना के लिए कतर इंवेस्टमेंट अथॉरिटी (क्यूआईए) के साथ गठजोड़ किया है। बैजूस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि क्यूआईए के साथ मिलकर गठित होने वाली नई कंपनी पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका क्षेत्र के छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई से जुड़े समाधान पेश करेगी। इसके अलावा कतर की राजधानी दोहा में एक शोध एवं विकास केंद्र भी खोला जाएगा। इसके लिए बैजूस ने क्यूआईए के साथ मिलकर अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी के गठन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दोहा में एक शोध एवं विकास केंद्र भी खोला जाएगा। इसके लिए बैजूस ने क्यूआईए के साथ मिलकर अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी के गठन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों ही कंपनियां मिलकर ऑनलाइन शिक्षण सामग्री तैयार करने का काम करेंगी। बैजूस के मुताबिक, क्यूआईए वर्ष 2019 से ही उसके प्रमुख निवेशकों में से एक रहा है। दुनिया के 120 से अधिक देशों में बैजूस छात्रों को शिक्षण सामग्री रोचक अंदाज में मुहैया कराती है। दुनिया के 120 से अधिक देशों में बैजूस छात्रों को शिक्षण सामग्री रोचक अंदाज में मुहैया कराती है। बैजूस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी बैजू रवींद्रन ने कहा, भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगातार देखी जा रही तेजी के बीच हम पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका क्षेत्र में विस्तार के लिए क्यूआईए के साथ साझेदारी से रोमांचित हैं। उम्मीद है कि हम एक साथ अच्छे नतीजे हासिल कर पाएंगे। क्यूआईए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मंसूर अल-महमूद ने कहा कि इस साझेदारी से पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री मुहैया कराने में मदद मिलेगी।

इस्पात उत्पादन 50 करोड़ टन करने की रणनीति पर काम कर रही है सरकारः सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह ने इस्पात उत्पादन में उत्सर्जन को कम करने हाइड्रोजन जैसे ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों के उपयोग के महत्व पर बल देते हुए रविवार को कहा कि 2030 तक देश में इस्पात की स्थापित उत्पादन क्षमता को 30 टन और 2047 तक इसे 50 करोड़ टन तक पहुंचाने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए सरकार रणनीति बनाना कर चलना जरूरत है। सिंह ने कहा कि सरकार इस दिशा में हितधारकों के साथ काम कर रही है तथा निर्बाध, पारदर्शी और लचीली प्रक्रिया के साथ उद्योग जगत की मदद करने को प्रतिबद्ध है। सिंह राजधानी के विज्ञान भवन में इस्पात मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित सेकेंडरी इस्पात विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसका विषय ''इस्पात में भारत को आत्म-निर्भर बनाना-माध्यमिक इस्पात क्षेत्र की भूमिका था। माध्यमिक या सेकेंडरी इस्पात पुराने लोहे के कबाड़ को गला कर बनाया गया इस्पात होता है। इस सम्मेलन का आयोजन इस उद्योग में लगी इकाइयों कोइस्पात क्षेत्र की चुनौतियों पर अपने विचार साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है। इस एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सिंह ने कहा कि उद्योग से मिले सुझावों पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्बाध, पारदर्शी और लचीली प्रक्रिया भारत सरकार का घोषित उद्देश्य है। देश में इस्पात उद्योग ने 1991 में 2.2 करोड़ टन से बढ़कर 2021-22 में 12.0 करोड़ टन का उत्पादन कर के बड़ी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि 2030 तक 30 करोड़ टन और 2047 तक 50 करोड़ टन उत्पादन क्षमता उत्पादन क्षमता के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है।

घर खरीदारों को कीमतों में छूट और लचीली भुगतान योजनाओं की चाहत : सर्वेक्षण

बिजनेस डेस्क।

घर खरीदने की योजना बना रहे करीब आधे लोगों का मानना है कि निर्माण लागत बढ़ने से अगले छह महीनों में आवासीय इकाइयों की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसके साथ ही 73 फीसदी लोग घरों की खरीद पर छूट और लचीली भुगतान योजनाएं भी चाहते हैं। आवासीय पोर्टल हाउसिंग डॉट कॉम और रियल एस्टेट संगठन नारेडको के एक साझा सर्वेक्षण में यह रुझान सामने आया है। यह सर्वेक्षण वर्ष 2022 की पहली तिमाही में 3,000 से अधिक लोगों से ली गई राय पर आधारित है। हाउसिंग डॉट कॉम ने सोमवार को जारी आवासीय उपभोक्ता धारणा परिदृश्य जनवरी-जून 2022 रिपोर्ट में कहा कि सर्वेक्षण में शामिल 47 प्रतिशत लोग निवेश के अन्य साधनों शेयर, सोना एवं सावधि जमा के बजाय रियल एस्टेट में निवेश करना चाहते हैं। वर्ष 2020 की दूसरी छमाही में यह अनुपात सिर्फ 35 प्रतिशत था। हाउसिंग डॉट कॉम के अलावा मकान डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के समूह सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने कहा, ÷कोविड महामारी ने हरेक व्यक्ति के लिए अपने घर की जरूरत बढ़ा दी है। अब लोग बड़ा और बेहतर घर चाहते हैं। हमारे आंकडे बताते हैं कि वर्ष 2021 में घरों की बिक्री 13 प्रतिशत बढ़ गई। हमारा मानना है कि वर्ष 2022 में घरों की बिक्री कोविड-पूर्व स्तर पर पहुंच जाएगी। इस सर्वेक्षण में शामिल रियल एस्टेट संगठन नारेडको के अध्यक्ष राजन बंदेलकर भी कहते हैं कि लोग भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ अपनी आमदनी बढ़ने को भी लेकर आशांवित हैं। उन्होंने कहा कि इससे घरों की मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के मुताबिक, 51 प्रतिशत लोगों को लगता है कि आने वाले छह महीनों में घरों की कीमतें बढ़ सकती हैं। वहीं 73 प्रतिशत लोग घरों की खरीद की योजना को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कीमतों में छूट और लचीली भुगतान योजनाओं की उम्मीद कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सरकार आवासीय ऋण की ब्याज दरों पर दी जाने वाली कर छूट बढ़ाए और निर्माण सामग्री पर जीएसटी की दरों में कटौती करे। इसके अलावा छोटे डेवलपरों को आसानी से ऋण उपलब्ध कराने के भी इंतजाम किए जाने चाहिए।

कोविड महामारी की वजह से 80प्रतिशत लोगों ने कार खरीदने की योजना टाली

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी ने करीब 80 प्रतिशत संभावित ग्राहकों को कार या चारपहिया वाहन खरीदने का फैसला टालने के लिए मजबूर किया जबकि दोपहिया वाहनों (बाइक, स्कूटी आदि) के मामले में यह संख्या 82 फीसदी रही है। परिवहन परिदृश्य के बारे में मोबिलिटी आउटलुक की तरफ से जारी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति बढ़ते रुझान के बीच करीब 40 प्रतिशत लोग इस साल दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की मंशा रखते हैं लेकिन चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहन के मामले में यह हिस्सा पिछले साल की तरह 33 प्रतिशत ही है। करीब 2.56 लाख संभावित ग्राहकों के बीच कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 80 फीसदी प्रतिभागियों ने महामारी से जुड़े असर की वजह से कार खरीदने की योजना टाल दी। कार की खरीद टालने वाले लोगों की संख्या 82 फीसदी रही है। रिपोर्ट कहती है, ''इस साल वाहन खरीद का फैसला टालने वाले लोगों का अनुपात बढ़ा है। इसका मतलब है कि कोविड-19 के दुष्प्रभावों से उबरने में अभी समय लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, चारपहिया वाहनों की इच्छा रखने वाले 18 प्रतिशत लोग निजी बचत के जरिये वाहन खरीदना चाहते हैं, जबकि वर्ष 2021 में यह संख्या 14 प्रतिशत थी। इसके अलावा दोपहिया वाहनों के 40 प्रतिशत संभावित खरीदार इलेक्ट्रिक वाहन लेने की सोच रहे हैं। एक साल पहले यह अनुपात 37 प्रतिशत पर था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला आईपीएल टीम के लिए एक फ्रेंचाइजी आई सामने, कहा- हमें है दिलचस्पी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फेंचाइजी पंजाब किंग्स के सह मालिक नेस वाडिया ने सोमवार को कहा कि उनकी फेंचाइजी को महिला आईपीएल टीम रखने में काफी दिलचस्पी है। आईपीएल संचालन समिति की पिछले सप्ताह हुई बैठक के बाद से अगले साल से पांच से छह टीमों के साथ महिला आईपीएल करने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें मौजूदा फेंचाइजी टीमों को प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए पहली वरीयता दी जाएगी। वाडिया ने कहा कि हमारी इसमें (महिला आईपीएल) काफी दिलचस्पी है। महिलाओं के लिए आईपीएल लंबे समय से लंबित है और जब ऐसा होगा तो यह बहुत खास होगा। पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट वास्तव में विकसित हुआ है। अभी विश्व कप चल रहा है और महिलाओं के खेल में काफी दिलचस्पी है। कल हमारी टीम को हारते हुए देखना दिल तोड़ने वाला था। महिला टीम की फेंचाइजी के लिए आधार मूल्य के बारे में पूछे जाने पर वाडिया ने कहा कि यह बीसीसीआई को तय करना है लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि अगर हमें एक टीम का मालिक होने का मौका दिया जाता है तो हम काफी दिलचस्पी लेंगे। मुझे लगता है कि इस लीग का भविष्य काफी अच्छा होगा।

पीवी सिंधू ने स्विस ओपन का खिताब जीता, फाइनल में बुसानन को हराया

बासेल । भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को यहां थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरंगफान को हराकर मौजूदा सत्र का अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीता। 21-16, 21-8 से हराया। बुसानन के खिलाफ 17 मैचों में यह सिंधू की 16वीं जीत है। टूर्नामेंट में अपना लगातार दूसरा फाइनल खेल रही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने यहां सेंट जैकबशाले में चौथी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की खिलाड़ी को 49 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 21-8 से हराया। बुसानन के खिलाफ 17 मैचों में यह सिंधू की 16वीं जीत है। वह उनसे सिर्फ एक बार 2019 हांगकांग ओपन में हारी है। सिंधू पिछले सत्र के फाइनल में रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता स्पेन की कैरोलिना मारिन से हार गई थीं। हैदराबाद की 26 वर्षीय खिलाड़ी की इस स्थल से हालांकि सुखद यादें जुड़ी है। उन्होंने 2019 में विश्व चैंपियनशिप में यहां स्वर्ण पदक जीता था। सिंधू ने इस साल जनवरी में लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 जीता था। सुपर 300 टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) टूर कार्यक्रम का दूसरा सबसे निचला स्तर है। सिंधू ने इस मैच में आक्रामक शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। की और स्कोर को 7-7 से बराबर कर लिया। बुसानन ने हालांकि वापसी करनी शुरू की और स्कोर को 7-7 से बराबर कर लिया। बुसनान सिंधू को नेट से दूर रखने की कोशिश कर रही थी लेकिन अपने शॉट को ठीक से खत्म नहीं कर पा रही थी। ब्रेक के समय सिंधू के पास दो अंकों की बढ़त थी। बैकलाइन के पास शानदार शॉट से सिंधू को चार गेम प्वाइंट मिले और उसने इसे भुनाने में देर नहीं की। दूसरे गेम में बुसनान सिंधू को टक्कर देने में नाकाम रही। सिंधू ने 5-0 की बढ़त हासिल करने के बाद इसे 18-4 किया और फिर आसानी से मैच जीत लिया।

कप्तान के तौर पर मलिंगा ने मेरे लिए कई चीजें आसान कीं : संजू सैमसन

मुंबई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में होने से एक कप्तान के रूप में उनके लिए जीवन आसान हो गया है। मलिंगा ने मुंबई इंडियंस के साथ एक तेज गेंदबाज के रूप में अमुल्य योगदान दिया और अब वह आईपीएल 2022 में राजस्थान टीम में गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा रहे हैं। सैमसन ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमने बड़े होने के दौरान लसिथ और कुमार संगकारा जैसे लोगों को एक्शन में देखा है और उनके द्वारा मैदान पर की गई चीजों की प्रशंसा की है। लसिथ विशेष रूप से गेंदबाजी को आसान बनाते हैं। अब वे इस टीम में हमारे जैसे युवाओं को उनके खेल को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए यहां हैं। लसिथ के साथ हमारी जो भी बातचीत हुई, वह गेंदबाजी को बहुत सरल और आसान बनाता है और यह टीम के हर गेंदबाज को बहुत स्पष्टता देता है। सैमसन ने खुलासा किया कि कैसे एक कप्तान के रूप में मलिंगा द्वारा बनाए गए एक बिंदु ने उनका ध्यान और विचारों पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में उनके मंत्र से प्रेरित हुआ हूं - केवल 2 प्रकार के बल्लेबाज होते हैं- एक दाएं हाथ का होता है और दूसरा बाएं हाथ का होता है और आपको उनमें से केवल दो को गेंदबाजी करना सीखना होगा। यह उनके द्वारा बताई गई दिलचस्प बात है। वह निश्चित रूप से एक कप्तान के रूप में मेरे लिए बहुत सी चीजों को आसान बना रहे हैं जैसे गेंदबाजों, उनकी ताकत और कमजोरियों को समझना और हमारी फेंचाइजी के लिए बहुत अधिक मूल्य जोड़ना है।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुआ यह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, फिंच ने बताई वजह

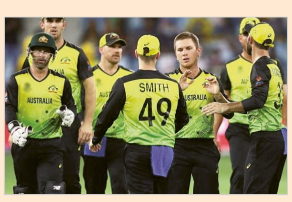

लाहौर । ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मिचेल मार्श के पाकिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर होने की संभावना है। कप्तान आरोन फिंच ने मार्श के प्रशिक्षण के दौरान चोटिल होने की जानकारी दी है। सीरीज के यहां गद्दाफी स्टेडियम में मंगलवार को खेले जाने वाले पहले वनडे मैच में कैमरन ग्रीन के चोटिल मार्श की जगह लेने की संभावना है। फिंच ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मार्श जैसा महसूस कर रहे हैं, उस हिसाब से वह इस श्रृंखला के लिए उपलब्ध होंगे। वह रविवार को फील्डिंग अभ्यास में शामिल हुए थे। यह एक उच्च तीव्रता अभ्यास था। वह गेंद पकड़ने के लिए नीचे झुके। उन्होंने एक हाथ से गेंद को पकड़ा और जैसे ही वह थ्रो फेंकने लगे तो उनकी कलाई मुड़ गई। उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने पहली पारी में महत्वपूर्ण 79 रनों के साथ तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं उन्होंने इन-फॉर्म सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक का विकेट भी लिया। कप्तान ग्रीन शायद मध्य क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। हम देख रहे हैं कि वह एक बहुत प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो अब तक अपने टेस्ट करियर में काफी कंसिस्टेंट रहे हैं। बल्ले और गेंद के साथ उनके प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता है। मैं ग्रीन के टीम में अवसर के लिए सच में उत्साहित हूं।

पिछले 17 में से सिफ एक टेस्ट जीत के कारण इंग्लैंड क्रिकेट का संकट गहराया

लंदन । ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एशेज श्रृंखला में हार के बाद वेस्टइंडीज के हालिया दौरे पर टेस्ट श्रृंखला में मिली निराशा से इंग्लैंड की टीम और क्रिकेट प्रणाली की खामियों को उजागर कर दिया है। टीम पिछले 17 टेस्ट मैचों में से सिर्फ एक बार जीत का स्वाद चखने में सफल रही है। एशेज में करारी शिकस्त के बाद मुख्य कोच और क्रिकेट निदेशक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और अब वेस्टइंडीज दौरे के बाद इस तरह की अटकलें लग रही है कि कप्तान जो रूट को भी यह जिम्मेदारी छोड़नी होगी। आने वाले दिनों ने इंग्लैंड को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की तीन-तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए मेजबानी करनी है और इस बीच भारत के खिलाफ श्रृंखला का बचा हुए एक टेस्ट मैच भी खेलना है। भारतीय टीम पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे है। रूट ने हालांकि कहा है कि वह टीम का नेतृत्व करना जारी रखना चाहते है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे मैच में 10 विकेट की हार के बाद कहा, 'इस टीम को आगे ले जाने के लिए मैं काफी जुनून से भरा हूं। रूट रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके है। पिछले कुछ समय में टीम की सबसे बड़ी कमजोरी लचर बल्लेबाजी रही है। रूट को छोड़कर किसी भी बल्लेबाज के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही है। 2021 में इंग्लैंड के बल्लेबाज 50 बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए और इस दौरान उनका औसत महज 24.80 का रहा। वेस्टइंडीज दौरे पर भी तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी हार का कारण बनी।

गेंदबाजी में भी वेस्टइंडीज दौरे पर अनुभवी जिमी एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को टीम से बाहर करने का खामियाजा भुगतना पड़ा। जोफ्रा आर्चर लंबे समय से टीम से बाहर है और मार्क वुड तथा ओली रोबिनसन अक्सर चोट से परेशान रहते है। ऐसे में फौरी तौर पर टीम को एक साथ 34 साल का अनुभव और 1,177 विकेट साझा करने वाली एंडरसन और ब्रॉड की जोड़ी की ओर लौटना होगा। इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट प्रणाली पर भी सवाल उठ रहा है। काउंटी क्रिकेट की जगह सीमित ओवर की प्रतियोगिताओं को ज्यादा तरजीह देने के आरोप लग रहे हैं। जुलाई और अगस्त में पहले काउंटी क्रिकेट खेला जाता था लेकिन अब यह समय सीमित ओवर की घरेलू प्रतियोगिताओं को दे दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

इस फिल्म को देखकर पंजाब किंग्स को मिली थी प्रेरणा, ओडियन स्मिथ ने खुद किया खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क । पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के 206 रन के लक्ष्य को 19 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पंजाब को इस बड़े लक्ष्य तक पहुंचाने वाले ऑलराउंडर ओडियन स्मिथ ने मैच जीतने के बाद बयान दिया है। स्मिथ ने कहा कि उनकी टीम में खिताब जीतने के लिए विश्वास होना चाहिए। स्मिथ ने कहा कि हम अच्छी शुरुआत करने पर जोर दे रहे थे। हमें बस उस विश्वास की जरूरत थी। गेंदबाजी के साथ इतना अच्छा नहीं हुआ। मुझे कुछ चीजों पर काम करना है। बल्लेबाजी अच्छी थी क्योंकि मैंने अपनी टीम को जीत दिलाने में मदद की। यह सब चीजों को अमल लाने के बारे में था और मैं वह नहीं कर सका और इसलिए यह खराब हो गया। पंजाब ने अभी तक खिताब नहीं जीता है लेकिन हमें विश्वास की जरूरत है। स्मिथ ने कहा कि हमारी टीम ने 14 पीक्स देखी जो कि एक अद्भुत फिल्म है। इसने हमें काफी प्रभावित किया है। हमारे पास 14 मैच हैं जिनमें से 13 रह गए। हमें इस बार खिताब जीतने के लिए खेलना होगा और टीम को चैंपियन बनाना है। गौर हो कि रॉयल चैलेंजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान फाफ डुप्लेसिस की 88 रन और विराट कोहली की 41 रन की पारियों के बदौलत 20 ओवरों में 205 रन बनाने में कामयाब हो पाई। पर पंजाब के बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी दिखाई और लक्ष्य को हासिल कर लिया। ऑलराउंडर ओडियन स्मिथ को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। स्मिथ ने बेंगलोर के खिलाफ 8 गेंदों पर 25 रन बनाए जिसमें उन्होंने 3 छक्के और एक चौका लगाया। इस दौरान स्मिथ का स्ट्राईक रेट 312.50 का रहा।

मैच से पहले बोले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन - हमारे पास पर्याप्त विकल्प हैं

पुणे । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार उनके पास मजबूत टीम है जिसमें खेल के हर विभाग में पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं और इसलिए टीम खिताब के 13 साल के इंतजार को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। आईपीएल 2008 के चैंपियन रॉयल्स ने इस सत्र में सैमसन के अलावा जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल जैसे कुछ नामी खिलाड़ियों को अपनी टीम में लिया है। सैमसन ने कहा कि जल्द से जल्द आपस में सामंजस्य बिठाना टीम की जीत के लिये महत्वपूर्ण होगा। सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मंगलवार को होने वाले रॉयल्स के पहले मैच से पूर्व कहा, 'हमारा ध्यान जल्द से जल्द आपसी तालमेल स्थापित करना है। इस बार हमारे पास एक अलग टीम है। टीम में कुछ नये सदस्य हैं, इसलिए आपसी सामंजस्य बिठाना और अपने साथियों को समझना महत्वपूर्ण है।

मयंक अग्रवाल ने पंजाब की जीत का श्रेय बल्लेबाजों को दिया

मुंबई । पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ रविवार को यहां 2022 आईपीएल के अपने पहले मैच में रोमांचक जीत के बाद कहा कि टीम की इस जीत का श्रेय बल्लेबाजों को जाता है। मयंक ने मैच के बाद कहा, 'हमारे लिए 2 अंक बहुत महत्वपूर्ण हैं। बहुत अच्छा विकेट था, इसलिए दोनों टीमों ने 200 से अधिक रन बनाए। एक या दो गेंद रुक कर आईं, लेकिन यह बड़ी बात नहीं है। एक या दो गेंद रुक कर आईं, लेकिन यह बड़ी बात नहीं है। जिस तरह से हमने खेल समाप्त किया, खिलाड़ियों को उसका श्रेय देना बनता है। कप्तान ने कहा, 'हमने सही मौके लिए और मुझे खुशी है कि हम इसमें सफल रहे। मुझे लगता है कि हमने बेंगलुरु को 15 से 20 फालतू दे दिए। विराट और फाफ ने हमसे मैच छीन लिया था, लेकिन इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करने का श्रेय हमारे बल्लेबाजों को जाता है। हमें अपने कौशल पर भरोसा है। बेशक कई बार दिन अच्छा नहीं होता है, लेकिन हम घबराने वाले नहीं हैं और इस मैच को देखते हुए आगे बढ़ेंगे।

ललित यादव बोले- मेरी वजह से नहीं बल्कि कप्तान ऋषभ पंत की वजह से जीते मैच

स्पोर्ट्स डेस्क । दिल्ली कैपिटल्स की इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 4 विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज ललित यादव ने अपने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय साथी खिलाड़ी अक्षर पटेल और कप्तान ऋषभ पंत को दिया। ललित ने कहा कि जब क्रीज पर दूसरे छोर पर अक्षर होता है तो मैं बहुत सहज महसूस करता हूं। वह मेरे खेल को जानता है और यह भी जानता है कि मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकता हूं। हम दोनों ने तय किया था कि विकेट बचाने हैं। हम जानते थे कि अगर हम खेलते रहेंगे तो आखिरी ओवर से पहले मैच जरूर जीत लेंगे। ललित ने कहा कि दूसरे टाईम-आउट में ऋषभ ने मुझे सुझाव दिया कि मैं अपने दिल की सुनूं और खेल को गहराई से समझूं। तो आखिरी ओवर से पहले मैच जरूर जीत लेंगे। ललित ने कहा कि दूसरे टाईम-आउट में ऋषभ ने मुझे सुझाव दिया कि मैं अपने दिल की सुनूं और खेल को गहराई से समझूं। मैंने उनकी सलाह पर ध्यान दिया और ज्यादा कुछ नहीं सोचा। खेल के बीच में कप्तान पंत ने भी अपने बल्लेबाजों को केवल अपने खेल पर ध्यान देने की सलाह दी। दिल्ली कैपिटल्स अपना अगला मैच शनिवार पुणे में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलेगा। ललित और अक्षर ने रविवार को मुंबई में खेले गए मैच में तब पांच ओवर में 75 रन की अटूट साझेदारी निभाकर दिल्ली को लक्ष्य तक पहुंचाया जबकि उनकी टीम 6 विकेट पर 104 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। ललित ने 38 गेंदों पर नाबाद 48 जबकि अक्षर ने 17 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए।

पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने इन दो खिलाड़ियों को बताया पंजाब किंग्स की बेशकीमती संपत्ति

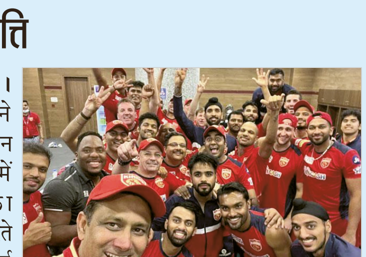

स्पोर्ट्स डेस्क । पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2022 सीजन के अपने पहले मैच में 204 रनों का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को शिकस्त दी। पंजाब की जीत टीम के सामूहिक प्रयासों के दम पर हुई क्योंकि शीर्ष और मध्य क्रम ने उच्च स्कोर वाले खेल में जीत हासिल करने के लिए इस अवसर पर पहुंच बनाई। सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (24 रन में 32) और शिखर धवन (29 रन पर 43 रन) ने मजबूत नींव रखी और 71 रन जोड़े। बाद में भानुका राजपक्षे और लियाम लिविंगस्टोन ने योगदान दिया। पूर्व क्रिकेटर और क्रिकेट विश्लेषक दीप दासगुप्ता को लगता है कि धवन और कप्तान अग्रवाल फ्रेंचाइजी के लिए बेशकीमती संपत्ति हैं। उन्होंने कहा कि धवन और कप्तान अग्रवाल फ्रेंचाइजी के लिए बेशकीमती संपत्ति हैं। उन्होंने कहा, दोनों खिलाड़ियों ने अतीत में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है और फ्रेंचाइजी को दोनों बल्लेबाजों से समान प्रदर्शन की उम्मीद करनी चाहिए। अपने निचले चरण में भी, धवन ने 130 से ऊपर की स्ट्राइक रेट को बनाए रखा है जो काफी प्रभावशाली है और उन्हें सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है। इसके अलावा सबसे छोटे खेल प्रारूप में धवन का समृद्ध अनुभव केवल उनमें में एक अंक जोड़ता है। प्रारूप में धवन का समृद्ध अनुभव केवल उनमें में एक अंक जोड़ता है। पूर्व क्रिकेटर ने पंजाब के कप्तान की भी तारीफ करते हुए कहा कि अग्रवाल ने अतीत में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण ही कप्तानी हासिल की है। वह लगातार बना हुआ है प्रदर्शन के कारण ही कप्तानी हासिल की है। वह लगातार बना हुआ है और उसने टूर्नामेंट में कुछ महत्वपूर्ण मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं। दासगुप्ता का यह भी मानना है कि दोनों क्रिकेटरों का प्रदर्शन टूर्नामेंट में टीम के प्रदर्शन के समानुपाती होगा।

इंग्लैंड की लगातार हार के बाद टीम की कप्तानी नहीं छोड़ना चाहते जो रूट, दिया यह बयान

लंदन । पिछले कुछ समय से इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट में विफलता और वेस्ट इंडीज से हालिया 1-0 से श्रृंखला हार के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने प्रतिक्रिया दी है। रूट ने कहा है कि वेस्ट इंडीज में मिली सीरीज हार के बावजूद इंग्लैंड के टेस्ट खिलाड़ियों ने उनके नेतृत्व का समर्थन किया है। इसीलिए वह टेस्ट कप्तान बने रहना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि इस सीरीज हार से इंग्लैंड के लिए कैरिबियाई धरती पर अब लगातार पांच श्रृंखलाएं बिना जीते के समाप्त हुई हैं और कैरिबियाई में इतिहास में इंग्लैंड का यह सबसे खराब रिकॉर्ड है। सीरीज के पहले दो मैच ड्रा रहने के बाद इंग्लैंड यहां ग्रेनेडा में तीसरे और निर्णायक मैच में बिखर गया। दोनों पारियों में खराब बल्लेबाजी के चलते उन्हें चौथे दिन सुबह के खेल में ही वेस्ट इंडीज से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पिछले 17 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड ने केवल एक मैच ही जीता है। रूट ने कहा कि मैंने इस मैच से पहले और इस दौरे के दौरान कई बार स्पष्ट किया है कि मेरा लक्ष्य टीम को आगे बढ़ाना है। नतीजे आपके हाथ में नहीं होते, लेकिन मुझे विश्वास है, यह ग्रुप मेरे साथ है। हमने काफी चीजों को अच्छे से किया, लेकिन सिर्फ उन्हें सही नतीजों में परिवर्तित नहीं कर पाए।

केएल राहुल और क्विंटन डी कॉक बनाएंगे धमाकेदार सलामी जोड़ी : गावस्कर

मुंबई । आईपीएल की दो नई फेंचाइजियां गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) आज यहां मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अपना पहला आईपीएल मैच खेलेंगी। ऐसे में सभी की निगाहें लखनऊ की सलामी जोड़ी लोकेश राहुल और क्विंटन डी कॉक पर होंगी, जो क्रमशः पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस से फेंचाइजी में शामिल हुए हैं। भारत के क्रिकेट लीजेंड सुनील गावस्कर ने इस बारे में सोमवार को कहा कि क्विंटन डी कॉक के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि उनके पास कप्तानी का अनुभव भी है। उन्होंने कहा, 'वह दक्षिण अफ्रीका के कप्तान रहे हैं और खेल के सभी प्रारूपों को जानते हैं। वह जानते हैं कि टीम निर्माण क्या है, क्योंकि हम अभी एक अलग टीम के बारे में बात कर रहे हैं। वह टीम निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। राहुल और डी कॉक का दाएं और बाएं हाथ का संयोजन एक धमाकेदार सलामी जोड़ी बनाता है। वे टीम को अच्छी शुरुआत दिला सकते हैं। गावस्कर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल के बारे में कहा, 'जब वह पंजाब किंग्स के कप्तान थे, तो वे व्यस्त लग रहे थे। शायद उन्हें वह प्लेइंग इलेवन (एकादश) नहीं मिल रही थी जो वह चाहते थे। गावस्कर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल के बारे में कहा, 'जब वह पंजाब किंग्स के कप्तान थे, तो वे व्यस्त लग रहे थे। शायद उन्हें वह प्लेइंग इलेवन (एकादश) नहीं मिल रही थी जो वह चाहते थे।

नई फेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स उनके लिए एक अलग चुनौती होने जा रही है और अगर वह पिछले सीजन की तरह बल्लेबाजी कर सकते हैं और टीम को नॉकआउट चरण में ले जा सकते हैं, तो यह उनके क्रिकेट करियर के संबंध में एक बड़ा कदम होगा।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

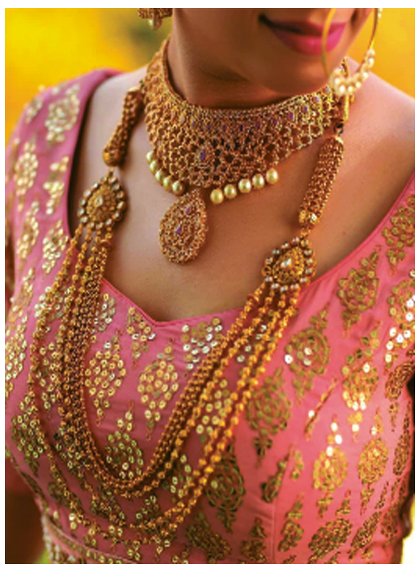

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

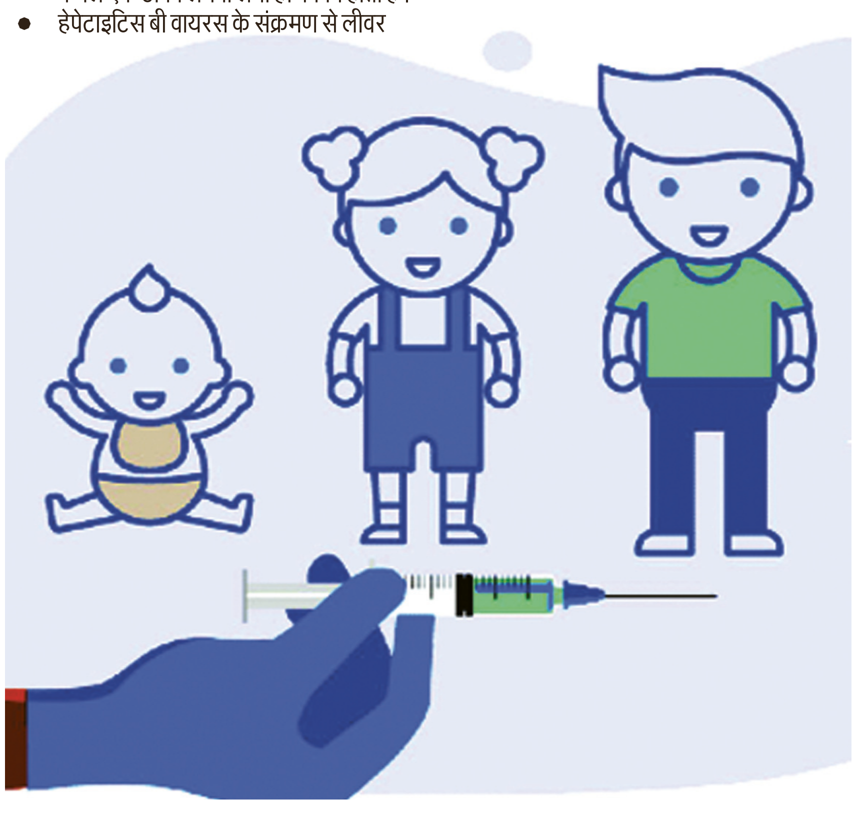

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

इमरान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में इमरान खान सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर आज शाम चर्चा की जाएगी। पहले ये चर्चा 25 मार्च को होनी थी, लेकिन उसी दिन नेशनल असेंबली के सदस्य के निधन के चलते इसको टाल दिया गया था। आज बहस के बाद चार अप्रेल को इस पर वोटिंग होगी। विपक्ष आज की बहस के लिए पूरी तरह से तैयार है। आपको बता दें कि पिछले सप्ताह ही इमरान सरकार के मंत्री ने इस बात की आशंका जताई है कि देश में समय से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए विपक्ष ने आठ मार्च को अपना प्रस्ताव दिया था। इसके बाद विपक्ष ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जताई थी कि असेंबली के स्पीकर ने इस पर फैसला लेने में काफी देर की है। विपक्ष स्पीकर को लेकर भी अपनी नाराजगी जगजाहिर कर चुका है। विपक्ष का आरोप है कि वो सरकार के पक्ष में काम कर रहे हैं। इमरान खान ने आरोप लगाया है कि विपक्ष सांसदों की खरीद फरोख्त कर रहा है। उन्होंने विपक्ष को डाकू तक कहा है। उन्होंने पिछले सप्ताह एक रैली में कहा था ये लोग देश का पैसा लूट कर अपनी तिजोरी भर रहे हैं। इमरान खान ने रविवार को एक रैली का आयोजन किया था, जिसमें देश की आवाम को बड़ी संख्या से शिरकत करने की अपील की गई थी। इस रैली के बाद इमरान खान ने अपने एक ट्वीट में उन लोगों को धन्यवाद दिया है जिन्होंने इसमें शिरकत की थी। अपने ट्वीट में इमरान ने इस रैली को राजधानी के इतिहास की सबसे बड़ी रैली करार दिया है। बता दें कि पाकिस्तान नेशनल असेंबली में कुल 342 सीटें हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर जीत के लिए इमरान खान को 172 सदस्यों के समर्थन की जरूरत है।

सरकार बनाते समय इमरान सरकार के पास कुल 176 सीटें थीं। जिसमें से 155 सीटे उनकी पार्टी पीटीआई की थी और अन्य सीटें समर्थन प्राप्त दलों की थीं। इसके अलावा विपक्ष के पास में कुल 165 सीटें थीं। लेकिन अब समीकरण पूरी तरह से बदल चुका है। मौजूदा समय में पीटीआई के ही करीब एक दर्जन सांसद विपक्ष के पाले में जाने का एलान कर चुके हैं। वहीं पीटीआई के करीब पचास सांसदों का फिलहाल कुछ पता नहीं है। इन सांसदों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं।

मैक्सिको में उत्सव दौरान भीड़ पर अंधाधुंध फायरिंग में 19 लोगों की मौत

मैक्सिको सिटी।

उत्तर अमेरिकी देश मैक्सिको के मध्य भाग में स्थित मिशोकैन राज्य के लास तिनाजाज शहर में प्रतिद्वंदी समूहों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के हवाले से सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि चुहुईचुपा शहर में शुक्रवार को शाम के करीब 6.35 बजे इस गोलीबारी की घटना हुई। मैक्सिको के महाधिवक्ता कार्यालय ने जारी बयान में कहा है कि मध्य मैक्सिको में 19 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मिशोकैन राज्य के लास तिनाजाज शहर में एक उत्सव चल रहा था। इस उत्सव में भारी संख्या में लोग जुटे थे। रविवार देररात अचानक उत्सव के रंग में भंग तब पड़ा, जब कुछ लोगों ने लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां दागनी शुरू कर दी। महाधिवक्ता कार्यालय के अनुसार मृतकों में 16 पुरुष व तीन महिलाएं हैं। इनके शव में गोली के निशान हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मिशोकैन और उसका पड़ोसी राज्य गुआनाजुआतो, मैक्सिको के दो सबसे हिंसक राज्यों में शामिल हैं। यहां नशीली दवाओं की तस्करी और चोरी के ईंधन सहित अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के बीच अक्सर गोलीबारी होती रहती है। मैक्सिको

सरकार ने 2006 में सेना के साथ एक नशा विरोधी अभियान शुरू किया था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार तब से अब तक तीन लाख चालीस हजार से अधिक लोगों की हत्या हो चुकी है।

सनकी किंग अमेरिका पर बढ़ा रहा दबाव, हमले के लिए और शक्तिशाली मिसाइल बनाने का संकल्प लिया

प्योंगप्यांग।

उत्तर कोरिया द्वारा चार साल से अधिक समय में पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किए जाने के कुछ दिन बाद देश के नेता किम जोंग उन ने हमले के और शक्तिशाली माध्यम विकसित करने का संकल्प लिया। इस बयान से ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार के आधुनिकीकरण तथा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए और हथियारों का परीक्षण कर सकता है या परमाणु से जुड़ा अन्य कोई परीक्षण जल्द ही कर सकता है। उत्तर कोरिया ने गत बृहस्पतिवार को अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल समुद्र की ओर परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार समिति 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि ह्वासोंग-17 (आईसीबीएम) 6,248 किलोमीटर (3,880 मील) की अधिकतम ऊंचाई पर पहुंची और उत्तर कोरिया तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 67 मिनट में 1,090 किलोमीटर (680 मील) का सफर तय किया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मिसाइल अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकती हैं। उनका कहना है कि अगर मिसाइल को एक टन से कम वजन वाले आयुध के साथ सामान्य प्रक्षेप-पथ पर दागा जाए, तो यह 15,000 किलोमीटर (9,320 मील) तक के लक्ष्य को निशाना बना सकती है। बताया कि ह्वासोंग-17 के परीक्षण में शामिल वैज्ञानिकों एवं अन्य लोगों के साथ तस्वीर खिंचवाने के दौरान किम ने खतरों से निपटने के लिए देश की हमला करने की क्षमता बढ़ाने का संकल्प लिया। उसने किम के हवाले से कहा, ''जब कोई हमला करने की दुर्जेय क्षमताओं और ऐसी सैन्य शक्ति से लैस होता है, जिसे कोई नहीं रोक सकता, तभी वह युद्ध रोक सकता है, देश की सुरक्षा की गारंटी दे सकता है ।

कोविड का खौफः चीन ने अपने सबसे बड़े शहर में प्रतिबंध बढ़ाए, 5 दिवसीय लॉकडाउन लगाया

बीजिंग।

कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर चीन ने अपने सबसे बड़े शहर शंघाई में अधिकतर गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्थानीय सरकार के अनुसार, शंघाई के वित्तीय केन्द्र पुडोंग जिले और उसके आसपास के क्षेत्रों को सोमवार तड़के से शुक्रवार तक बंद रखा जाएगा, क्योंकि शहर में व्यापक स्तर पर कोविड-19 संबंधी जांच की जा रही है। लॉकडाउन के दूसरे चरण में शहर में शुक्रवार से पांच दिवसीय लॉकडाउन रहेगा। स्थानीय लोगों को घर पर ही रहना होगा। कार्यालय तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी निलंबित रहेंगी। पहले ही, 2.6 करोड़ की आबादी वाले शहर के भीतर कई गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी।

शंघाई डिज्नी पार्क भी बंद कर दिया गया है। चीन में इस महीने देशभर में 56,000 से अधिक संक्रमण के मामले सामले आए, जिनमें से अधिकतर मामले उत्तर-पूर्वी प्रांत जिलिन में सामने आए हैं। शंघाई में शनिवार को 47 नए मामले सामने आए थे। चीन ने वैश्विक महामारी के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता की रणनीति अपनाई है, जिसके चलते मामले बढ़ने पर अधिकतर आर्थिक गतिविधियां बाधित कर दी जाती हैं। चीन में 87 प्रतिशत आबादी का कोविड-19 रोधी टीकाकरण हो चुका है।

इजराइल के ककरूनफ्ताली बेनेट कोरोना पॉजिटिव, 5 दिन बाद आने वाले हैं भारत दौरे पर

नेशनल डेस्क। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट कोरोना संक्रमित हो गए हैं। नफ्ताली ने हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की थी। इजराइली पीएम ऐसे वक्त पर कोरोना संक्रमित हुए हैं, नफ्ताली का 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक भारत दौरा प्रस्तावित है। वे अपने दौरे के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे । जब वे 5 दिन बाद भारत दौरे पर आने वाले हैं। नफ्ताली का 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक भारत दौरा प्रस्तावित है। वे अपने दौरे के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे । नफ्ताली की दफ्तर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इजराइली पीएम ठीक है और वे अपना कामकाज जारी रखेंगे। हालांकि, उन्होंने खुद को सेल्फ क्वारंटीन कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि नफ्ताली घर से ही सारे कामकाज संभाल रहे हैं।

इमरान ने रैली में किया दावाःमेरी सरकार गिराने की साजिश के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ

इस्लामाबाद।

अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने यहां रविवार को एक विशाल रैली को संबोधित किया जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनकी गठबंधन सरकार गिराने की ''साजिश'' में विदेशी ताकतों का हाथ है। खान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की रैली को इस्लामाबाद के परेड ग्राउंड में संबोधित करते हुए कहा कि देश की विदेश नीति तय करने के लिए विदेशी तत्व स्थानीय राजनेताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके दावों की पुष्टि करने वाला एक पत्र सबूत के तौर पर उनके पास है। डेढ़ घंटे से भी अधिक लंबे अपने भाषण में खान ने कहा, ''पाकिस्तान में सरकार बदलने के लिए विदेशी धन के जरिए कोशिश की जा रही है। हमारे लोगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्यादातर लोग इससे अनजान हैं लेकिन कुछ लोग हमारे खिलाफ इस धन का इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि हम पर दबाव बनने के लिए क्या कोशिश की जा रही है। हमें लिखित में धमकी दी गई है लेकिन हम राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेंगे।'' खान ने कहा, ''मेरे पास जो पत्र है वह सबूत है और मैं इस पत्र पर संदेह करने वाले किसी भी व्यक्ति को इसे झूठा साबित करने की चुनौती देता हूं। हमें यह फैसला करना होगा कि कब तक हम इस तरह से जीएंगे। हमें धमकियां मिल रही हैं। विदेशी साजिश के बारे में कई चीजें हैं जो बहुत जल्द साझा की जाएंगी। '' खान की रैली लिए सरकार ने रविवार को विभिन्न शहरों से उनके समर्थकों विभिन्न शहरों से उनके समर्थकों के यहां पहुंचने के लिए विशेष ट्रेनों का इंतजाम किया था। विपक्षी दलों के नेशनल असेंबली सचिवालय में आठ मार्च को एक अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिये जाने के बाद से पाकिस्तान में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री इमरान खान नीत पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी देश में आर्थिक संकट और बेतहाशा बढ़ती महंगाई के लिए जिम्मेदार है।

पाक सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी-अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टरता कारण पाकिस्तान हो रहा बदनाम

इस्लामाबाद।

अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टर व्यवहार को लेकर पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी जारी की है। कोर्ट का कहना है कि इससे दुनिया में पाकिस्तान की गलत छवि प्रस्तुत हो रही है। अल्पसंख्यकों के प्रति कट्टरता ने पाकिस्तानियों पर असहिष्णु, हठधर्मी व कठोर होने का लेबल चिपका दिया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने लाहौर हाई कोर्ट के उस आदेश को पलट दिया जिसमें अहमदिया समुदाय के लोगों को ईशनिंदा का आरोपित करार दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अहमदिया समुदाय के लोगों पर आरोप था कि उन्होंने अपने उपासना स्थल की डिजाइन की और उसकी भीतरी दीवारों पर इस्लामिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया। अखबार ने अपनी रिपोर्ट में जस्टिस सैयद मंसूरी अली शाह के 9 पन्नों के फैसले का उल्लेख करते हुए कहा, देश के गैर मुसलमानों (अल्पसंख्यकों) को उनके मतों से वंचित करना और उन्हें उनके उपासना स्थलों की चारदीवारी में कैद करना लोकतांत्रिक संविधान के खिलाफ और हमारे इस्लामिक गणराज्य की भावनाओं के प्रतिकूल है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस शाह ने अहमदी समुदाय के लोगों की तरफ से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। उन्हें उनके उपासना स्थलों की चारदीवारी में कैद करना लोकतांत्रिक संविधान के खिलाफ और हमारे इस्लामिक गणराज्य की भावनाओं के प्रतिकूल है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस शाह ने अहमदी समुदाय के लोगों की तरफ से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इसमें यह भी आरोप लगाया कि अहमदी समुदाय के उपासना स्थल का बिजली बिल मस्जिद के नाम पर आता है। वर्ष 1984 में पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल मुहम्मद जिया-उल-हक के शासनकाल में पाकिस्तान सरकार ने अहमदिया समुदाय के उपासना स्थलों को मस्जिद कहने और अजान देने को अपराध करार दिया था। इसके लिए तीन साल कैद व जुर्माने का प्रविधान किया गया था। इसी आधार पर आरोप लगाए गए थे और याचिकाकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू की गई थी।

30 साल से पाकिस्तान को लूट रहे तीन चूहे, अविश्वास प्रस्ताव से पहले इमरान का विपक्ष पर वार

इंटरनेशनल डेस्क । अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने यहां रविवार को एक विशाल रैली को संबोधित किया जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनकी गठबंधन सरकार गिराने की ''साजिश में विदेशी ताकतों का हाथ है। खान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की रैली को इस्लामाबाद के परेड ग्राउंड में संबोधित करते हुए कहा कि देश की विदेश नीति तय करने के लिए विदेशी तत्व स्थानीय राजनेताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके दावों की पुष्टि करने वाला एक पत्र सबूत के तौर पर उनके पास है। डेढ़ घंटे से भी अधिक लंबे अपने भाषण में खान ने कहा, ''पाकिस्तान में सरकार बदलने के लिए विदेशी धन के जरिये कोशिश की जा रही है। हमारे लोगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्यादातर लोग इससे अनजान हैं लेकिन कुछ लोग हमारे खिलाफ इस धन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि हम पर दबाव बनने के लिए क्या कोशिश की जा रही है। हमें लिखित में धमकी दी गई है लेकिन हम राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेंगे। खान ने कहा, ''मेरे पास जो पत्र है वह सबूत है और मैं इस पत्र पर संदेह करने वाले किसी भी व्यक्ति को इसे झूठा साबित करने की चुनौती देता हूं। हमें यह फैसला करना होगा कि कब तक हम इस तरह से जीएंगे। हमें धमकियां मिल रही हैं। विदेशी साजिश के बारे में कई चीजें हैं जो बहुत जल्द साझा की जाएंगी। 'डॉन अखबार ने प्रधानमंत्री खान को उद्धृत करते हुए कहा कि गरीब देश पिछड़े हुए हैं क्योंकि सफेदपोश अपराध करने में संलिप्त अमीर लोगों को कानून वहां पकड़ने में नाकाम रहा है।

जयशंकर ने श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल से की मुलाकात, आर्थिक स्थिति व भारत के सहयोग पर की चर्चा

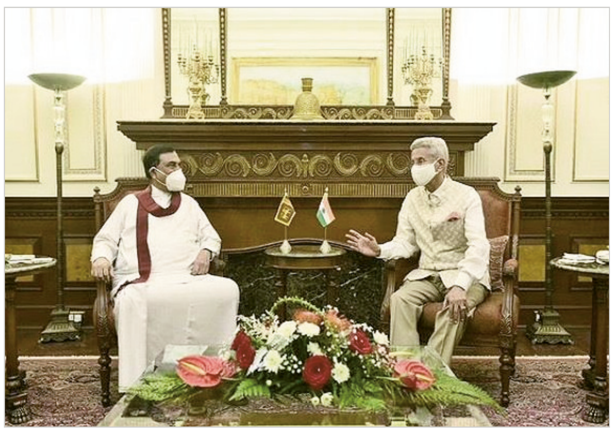

कोलंबो।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे से मुलाकात की और द्वीपीय राष्ट्र की आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान विदेशी विनिमय संकट के दौरान भारत द्वारा दी गई सहायता पर चर्चा की। विदेशी विनिमय की कमी के कारण श्रीलंका एक बड़े आर्थिक और ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। जयशंकर यहां देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता और सात सदस्यीय बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे के साथ मुलाकात कर दौरे की शुरुआत की। आर्थिक स्थिति पर भारत की सहायता पर चर्चा की। हम पड़ोसी प्रथम की नीति पर चल रहे हैं। जयशंकर का दौरा ऐसे समय हो रहा है जब संकट से निपटने में श्रीलंका सरकार की नाकामी के विरुद्ध लोग खुलकर बोल रहे हैं। वर्तमान आर्थिक संकट से उबारने के लिए भारत ने हाल में श्रीलंका को आर्थिक राहत पैकेज दिया था। जयशंकर मुख्य रूप से बिम्सटेक सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आए हैं लेकिन अधिकारियों ने बताया कि वह श्रीलंका के नेताओं के साथ सभी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता में भाग लेंगे। जयशंकर मुख्य रूप से बिम्सटेक सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आए हैं लेकिन अधिकारियों ने बताया कि वह श्रीलंका के नेताओं के साथ सभी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता में भाग लेंगे। बिम्सटेक में भारत के अतिरिक्त बांग्लादेश, म्यांमा, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं। श्रीलंका, 'बंगाल की खाड़ी बहुपक्षीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) समूह का वर्तमान अध्यक्ष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मार्च को डिजिटल माध्यम से इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान मुद्दे पर तीसरी क्षेत्रीय बैठक की मेजबानी करेगा चीन

बीजिंग। अफगानिस्तान के मुद्दे पर चीन ने तीसरी क्षेत्रीय बैठक की मेजबानी करने पर सहमति दे दी है। मार्च के आखिर में होने वाली इस बैठक में अफगान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक चीनी विदेश मंत्री वांग यी की काबुल यात्रा के दौरान इस बैठक को लेकर चर्चा हुई थी। अफगान में वांग यी ने तालिबानी सरकार के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार वार्ता में दोनों पक्षों के बीच अफगान मुद्दे पर तीसरी विदेश मंत्रियों की बैठक को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने मुद्दे को लेकर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया है। बैठक के दौरान मुत्ताकी ने कहा कि वो अफगान पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए वो उत्सुक हैं। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामिक अमीरात के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि देश के महत्वपूर्ण मुद्दों समेत आर्थिक, राजनयिक संबंधों और अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की जाए।

कुवैत हवाई अड्डे के निर्माणाधीन टर्मिनल पर आग लगी

दुबई । कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्माणाधीन एक नए टर्मिनल में सोमवार को आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता तौहीद अल-कंदारी ने बताया कि कुवैत सिटी में आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी अब भी प्रयास कर रहे हैं। अल-कंदारी ने कहा कि आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं, यह भी तत्काल स्पष्ट नहीं है। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें पोस्ट हुई हैं जिसमें रनवे पर विमानों की कतारों के पीछे गहरा धुंआ उठता दिख रहा है। सोमवार की सुबह कुछ उड़ानों में देरी हुई थी, हालांकि नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने कहा कि उड़ानों में देरी आग लगने की वजह से नहीं हुई थी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में वैन गहरी खाई में गिरी, 7 की मौत

पेशावर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को एक यात्री वैन गहरी खाई में गिर गई जिससे उसमें सवार महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई तथा 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि वाहन मरदान जिले से अपर पीर जिले के कालकोट जा रहा था जब एक मोड़ पर चालक वैन को संभाल नहीं पाया। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती किया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया और घायलों को इलाज की सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया।

भारत को पुतिन की निंदा करनी चाहिएः भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन । भारतीय मूल के एक प्रभावशाली भारतीय सांसद रो खन्ना ने रविवार को कहा कि भारत को यूक्रेन पर हमले के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ''निंदा करनी चाहिए'' और नयी दिल्ली को रूस या चीन से तेल नहीं लेना चाहिए। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करने वाले खन्ना ने कहा कि अब भारत के लिए अपना पक्ष चुनने का वक्त आ गया है। उन्होंने 'फॉक्स न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं भारत पर वास्तव में स्पष्ट रहा हूं और मुझे लगता है कि भारत को पुतिन की निंदा करनी चाहिए और भारत को रूस या चीन से तेल नहीं लेना चाहिए। हमें पुतिन को अलग-थलग करने के लिए दुनिया को एकजुट करना चाहिए।''

यूक्रेनियों के मन में गहरी नफरत के बीज बो रहा है रूस

नेशनल डेस्क। यक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मॉस्को को गुस्से में चेतावनी दी कि वह यूक्रेनी लोगों के भीतर रूस के लिए गहरी घृणा के बीज बो रहा है, क्योंकि तोपों से किए जा रहे हमलों एवं हवाई बमबारी के कारण शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे आम नागरिकों की मौत हो रही है और अन्य लोग शरणस्थलों की खोज में हैं तथा जीवित रहने के लिए भोजन एवं पानी की तलाश कर रहे हैं। जेलेंस्की ने शनिवार देर रात एक वीडियो संदेश में कहा, ''आप हर वह चीज कर रहे हैं जिससे हमारे लोग स्वयं ही रूसी भाषा का त्याग कर देंगे, क्योंकि रूसी भाषा अब केवल आपसे, आपके द्वारा किए विस्फोटों एवं आपके द्वारा की गई हत्याओं और अपराधों से जुड़ी रहेगी। यूक्रेन पर जारी रूस के हमले में मारे गए लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रूसी रॉकेट शनिवार को यूक्रेन के पश्चिमी शहर ल्वीव शहर में उस समय गिरे, रूस ने दावा किया है कि वह देश के पूर्व में हमलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, लेकिन ल्वीव पर हमले ने यह याद दिलाया कि मॉस्को यूक्रेन में किसी भी जगह हमला कर सकता है। रूसी हमले में एक तेल कंपनी का एक हिस्सा जल गया।

कहां जाकर रुकेगी महंगाई? विपक्ष ने उठाया सवाल, लोकसभा में इस हफ्ते हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें बढ़ने के खिलाफ रोष प्रकट करते हुए विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा में सरकार से इस विषय पर चर्चा कराने और इस मुद्दे पर जवाब देने की मांग की तथा मूल्यवृद्धि को तुरंत वापस लेने का भी आग्रह किया। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह बताने का आग्रह भी किया कि कीमतों में वृद्धि कब जाकर रुकेगी? सूत्रों के मुताबिक, इस हफ्ते महंगाई के मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए सदन में कांग्रेस के नेता अधीररंजन चौधरी ने कहा कि महंगाई से देश की जनता बेहाल है इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूरे देश में 'महंगाई मुक्त भारत अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरें हैं कि एक अप्रैल से 800 आवश्यक दवाएं भी महंगी हो जाएंगी। चौधरी ने कहा कि महंगाई के पीछे सरकार 'रूस-यूक्रेन संकट का झूठा हवाला दे रही है जबकि हमारे देश में रूस से केवल आधा प्रतिशत तेल आयात किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की हाल में बढ़ी कीमतों को वापस लेना चाहिए और इस सदन में इस मुद्दे पर चर्चा करानी चाहिए। द्रमुक नेता टी आर बालू ने कहा कि पिछले कुछ दिन में ही पेट्रोल और डीजल के दाम में लगभग चार रुपये प्रति लीटर से ज्यादा वृद्धि हुई है जो सरकार की ओर से लिया गया गलत फैसला है।

तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस में मूल्य वृद्धि पर पूरा सदन चिंतित है। उन्होंने कहा, ''मुझे आशंका है कि देश में पेट्रोलियम पदार्थों पर मूल्य वृद्धि के मामले में भारत दुनिया में सबसे ऊपर पहुंच सकता है। तृणमूल नेता ने कहा कि सरकार तर्क देती है कि तेल कंपनियां मूल्य बढ़ाती हैं और उसका हस्तक्षेप नहीं होता। उन्होंने कहा कि अगर यह बात सही है तो उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय पेट्रोल और डीजल के दाम कैसे नहीं बढ़े। उन्होंने कहा कि जनता को आशंका थी कि चुनाव परिणाम आते ही कुछ दिन में ये दाम बेतहाशा बढ़ेंगे और यह आशंका सच साबित हुई। उन्होंने कहा कि इस विषय पर कम से कम एक बार सदन में चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें किस सीमा तक बढ़ेंगी और कहां जाकर ठहरेंगी? उन्होंने कहा कि सरकार को प्राथमिकता के साथ इस विषय पर सदन में अपनी बात रखनी चाहिए।

द कश्मीर फाइल पर अब मनीष सिसोदिया बोले, कमाई का धंधा हो गया हो, तो फिल्म को यूट्यूब पर डाल दो

नेशनल डेस्क। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर बनी फिल्म द कश्मीर फाइल इन दिनों खूब सुर्खियां बटौर रही हैं। देश के कई राज्यों ने इस फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया वहीं दिल्ली ने इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की बजाय फिल्म डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री को सलाह देते हुए केजरीवाल ने कहा कि इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की बजाय यूट्यूब पर डाल दिया जाए सारा देश फिल्म देख लेगा। वहीं अब दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर बयान देते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला। सिसोदिया ने कहा, इन्हें कश्मीर फाइल्स से प्यार है, हमें कश्मीरियों से प्यार है। अटल जी या जगमोहन के समय जो भी हुआ, वो बीते दिनों की बात है, लेकिन 8 साल से केंद्र में बीजेपी की सरकार है, फिर भी कश्मीरी पंडितों को विस्थापित होकर क्यों रहना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीरी पंडित चाहते हैं कि उनका दर्द देश समझे लेकिन वह यह नहीं चाहते कि उनके दर्द को 200 करोड़ में बेचा जाए। फिल्म ने 200 करोड़ कमा लिए हैं, तो यूट्यूब पर डाल दें, जिससे त्रिलोकपुरी और कोंडली में रहने वाले आम लोग भी उनके दर्द को समझें, बीजेपी को कश्मीर फाइल्स की चिंता है और हमें कश्मीरी पंडितों की चिंता है। मनीष सिसोदिया ने आगे कहा, यह अच्छी बात है कि इस मुद्दे पर फिल्म बनी। बजट से फ्री होकर मैं खुद इस फिल्म को देखूंगा, मैं कश्मीर गया हूं। उनका दर्द देखा है, फिर से उसे मैं देखना चाहूंगा, लेकिन अब फिल्म ने 200 करोड़ कमा लिए, अब उसे यूट्यूब पर डाल दो। 200-400 रुपये का जो टिकट होगा, मैं खुद लेकर वो फ़िल्म देखने जाऊंगा, लेकिन अब वो 200 करोड़ कश्मीरी पंडितों को दे दो, जिनके घर, जिनके सेब के बागान उजड़ गए, ꣷꣷꣷ और उस प्रोड्यूसर से मेरी हाथ जोड़कर अपील है कि अब कमाई का धंधा हो गया, तो उसे यूट्यूब पर डाल दो ताकि सबलोग देख सकें।

राजस्थानः भाजपा विधायकों से बोले स्पीकर-लौटाए हुए आईफोन वापस लें और उपयोग करें, यह अध्यक्ष का निर्देश

नेशनल डेस्क। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने सोमवार को भाजपा विधायकों को निर्देश दिया कि वे बजट के दिन उन्हें उपलब्ध करवाए गए आईफोन का उपयोग करें। जोशी ने कहा कि विधानसभा की प्रक्रिया को कागज रहित करने की कोशिश के तहत ये फोन दिए गए थे। बता दें कि 23 फरवरी को विधानसभा में बजट पेश किए जाने के बाद सदन के सभी 200 विधायकों को एक ब्रीफकेस के साथ आईफोन-13 दिया गया था। हालांकि भाजपा ने तय किया कि राज्य सरकार पर पड़ने वाले वित्तीय भार को देखते हुए उसके विधायक आईफोन वापस करेंगे, कुछ विधायकों को छोड़कर सभी ने आईफोन जमा भी करा दिए थे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ जोशी ने इसका जिक्र करते हुए सोमवार को सदन में कहा कि हमारे, विधानसभा के कहने से फोन दिए गए थे। फोन देने के पीछे मंशा यह थी कि हम हमारी विधानसभा की पूरी की पूरी प्रक्रिया आईटी के माध्यम से इसमें ला रहे हैं। जैसे इस बार हमने बजट की प्रति नहीं दी, बजट इसी में दिया। प्रतिवेदन भी इसी पर दे रहे हैं। तो माननीय सदस्यों की क्षमता बढ़े इसके लिए जरूरी है कि जो फोन आपको दिया गया है उसका उपयोग हो। उन्होंने कहा,'' इसलिए आसन निर्देश देता है कि भाजपा के जितने भी सदस्य हैं वे इनका उपयोग करें।

दिल्ली हाईकोर्ट में दो महिला जजों ने ली शपथ, कुल संख्या 35 हुई

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के दो नये न्यायाधीशों ने सोमवार को पद की शपथ ली जिससे अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या 35 हो गयी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने न्यायमूर्ति पूनम ए बंबा और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को पद की शपथ दिलाई, जिन्हें इस महीने की शुरुआत में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। शपथ ग्रहण समारोह मुख्य न्यायाधीश की अदालत में हुआ जिसमें हाई कोर्ट के अन्य न्यायाधीश, वकील और शपथ लेने वाले नए न्यायाधीशों के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। उच्चतम न्यायालय के कोलेजियम ने एक फरवरी को हुई अपनी बैठक में न्यायमूर्ति बंबा और न्यायमूर्ति शर्मा को पदोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जोदिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं। दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं। केंद्र सरकार ने 24 मार्च को वरिष्ठता के क्रम में न्यायमूर्ति बंबा और न्यायमूर्ति शर्मा की नियुक्ति को अधिसूचित किया था। नयी नियुक्तियों के साथ दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 35 हो गई है, जिसमें नौ महिला न्यायाधीश शामिल हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 60 है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल- मोदी सरकार ने देश का ही नहीं, हर घर का बजट भी बिगाड़ा

नेशनल डेस्क। राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस ने पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण महंगाई को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि आज देश ही नहीं, हर घर का बजट बिगड़ा हुआ है। उच्च सदन में वित्त विधेयक पर हुयी चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि देश का बजट नहीं हर घर का बजट बिगड़ा है, जिससे लोगों को बहुत दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण परिवार के कमाने वाले सदस्यों को गंवाने वालों से जाकर पूछा जाए कि उनके लिए इस महंगाई की क्या पीड़ा है? उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में वैयक्तिक वर्ग में आयकर राहत देने की बात कही गई है किंतु इस बजट में ऐसी कोई घोषणा नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान वेतनभोगी वर्ग ने सबसे अधिक संकट झेले हैं। गोहिल ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीमारमण बार बार यह कहती हैं कि 32 देशों ने कोरोना महामारी के दौरान करों की दरें बढ़ाई हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री को यह बताना चाहिए कि इन देशों ने कोरोना काल में अपने नागरिकों की कितनी हद तक मदद की है? उन्होंने कहा, ''हमारे देश की सरकार लोगों से कर वसूल कर उन पैरों पर खड़े होने में सक्षम हैं, जबकि कर देने वाला वर्ग कोरोना के कारण बुरी तरह परेशान है। अमीरों की मदद करती है जो अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम हैं, जबकि कर देने वाला वर्ग कोरोना के कारण बुरी तरह परेशान है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल एवं डीजल के ऊपर उत्पाद कर बढ़ाकर करोड़ों रूपये अर्जित किए हैं। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब पेट्रोल एवं डीजल की कीमत बढ़ने पर उन्होंने कई बार मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम करने की मांग यह कहते हुए ठुकरा दी थी कि केंद्र द्वारा थोपी गई महंगाई को घटाना उसकी जिम्मेदारी है, राज्य की नहीं। गोहिल ने कहा कि जो रसोई गैस सिलेंडर 400 रुपए का हुआ करता था, वर्तमान सरकार ने उसे 1000 रुपए तक पहुंचा दिया है।

कर्नाटकः एग्जाम के दौरान हिजाब पहनने पर अब लिया जाएगा सख्त एक्शन

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक बोर्ड स्स्ष्ट परीक्षा में शामिल होने से पहले हिजाब हटाने से इनकार कर हाई कोर्ट के फैसले का उल्लंघन करने वाली छात्राओं के खिलाफ कारर्वाई की जाएगी। ज्ञानेंद्र ने कहा कि सभी छात्रों को अपने हिजाब हटाकर परीक्षा देनी चाहिए। हम इस पर कोई समझौता नहीं करेंगे। हिजाब पर कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले का उल्लंघन करने वालों पर कारर्वाई होगी। राज्य के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने भी कहा कि ड्रेस कोड लागू करने के सरकारी आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस कारर्वाई करेगी। राज्य भर के 3,440 केंद्रों में 48,000 से अधिक हॉल में 8.74 लाख से अधिक छात्र परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

गौरतलब है कि हिजाब विवाद पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि हिजाब एक आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है और सभी को यूनिफॉर्म पहनने के नियम का पालन करना चाहिए। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने परीक्षा में बैठने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं।

कोविड -19: अब नहीं सुनाई देगी कोरोना कॉलर ट्यून!

नई दिल्ली। कोरोना वायरस मामलों में लगातार गिरावट के बीच अब लोगों को एक और राहत मिलने जा रही हैं. दरअसल, महामारी के दौरान जागरूकता के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई कोरोना कॉलर ट्यून अब जल्द बंद होने वाली है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सरकार कोविड-19 से जुड़ी कॉलर ट्यून को हटाने की तैयारी कर रही है। बता दें कि इससे पहले कई लोगों को इस कॉलर ट्यून से इर्रिटेशन भी होती होगी। सोमवार को इसको लेकर एक न्यूज एजेंसी ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट किया है, हालांकि अभी तक इसकी जानकारी नहीं है कि किस दिन से कोविड-19 कॉलर ट्यून को बंद किया जाए। बता दें कि पिछले एक महीनें में देशभर में कोरोना के मामलों में काफी कमी देखी जा रही है। हालांकि यह पूरी तरह से गया नहीं है, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है, इसकी गति भी कापी धीमी पड़ गई है। हालांकि यह पूरी तरह से गया नहीं है, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है, जिससे देखते हुए सरकार ने कोविड-19 कॉलर ट्यून को जल्द ही बंद किया जा सकता है। मालूम हो कि कोरोना कॉलर ट्यून में अमिताभ बच्चन की आवाज लोगों को सुनाई दी थी, बाद में जसलीन भल्ला ने अपनी आवाज दी। जिसमें वे कोरोना से बचे रहने के लिए सभी जरूरी सुरक्षा नियमों का पालन करने के बारे में बताते है।

कहां जाकर रुकेगी महंगाई? विपक्ष ने उठाया सवाल, लोकसभा में इस हफ्ते हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों के व्यवधान पर नाखुशी जताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह ''नियोजित तरीके से सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं होने देंगे। सोमवार को सुबह सदन की बैठक शुरू होने पर जब अध्यक्ष बिरला ने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया तभी सदन में कांग्रेस के नेता अधीररंजन चौधरी, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय और द्रमुक नेता टी आर बालू ने देश में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के विषय पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें प्रश्नकाल के बाद बात रखने का मौका देने का आश्वासन दिया। हालांकि विपक्ष के कुछ सदस्य केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। अध्यक्ष बिरला ने कहा, ''प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। इसमें सदस्य सरकार से जवाब मांगते हैं। मैं प्रश्नकाल के बाद सभी दलों के नेताओं की बात सुनूंगा। मैं सदन को नियोजित तरीके से कभी स्थगित नहीं होने दूंगा।%% उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा, ''मैंने विपक्ष को हमेशा बोलने का पर्याप्त मौका और समय दिया है। इसके बावजूद प्रश्नकाल में व्यवधान डालना ठीक नहीं है। प्रश्नकाल में सरकार की जवाबदेही तय होती है। बिरला ने कहा, ''सदन चलना चाहिए। चर्चा होनी चाहिए। संवाद होना चाहिए। यदि आप जनता की समस्या उठाना चाहते हैं तो शून्यकाल में मौका दूंगा। मैं पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर दूंगा। लेकिन नियोजित तरीके से सदन की कार्यवाही स्थगित कराने का प्रयास करना उचित नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष के कहने पर नारेबाजी कर रहे सदस्य अपने स्थानों पर बैठ गये और प्रश्नकाल सुगमता से पूरा चला। नई दिल्लीः देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें बढ़ने के खिलाफ रोष प्रकट करते हुए विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा में सरकार से इस विषय पर चर्चा कराने और इस मुद्दे पर जवाब देने की मांग की तथा मूल्यवृद्धि को तुरंत वापस लेने का भी आग्रह किया। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह बताने का आग्रह भी किया कि कीमतों में वृद्धि कब जाकर रुकेगी? सूत्रों के मुताबिक, इस हफ्ते महंगाई के मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए सदन में कांग्रेस के नेता अधीररंजन चौधरी ने कहा कि महंगाई से देश की जनता बेहाल है इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूरे देश में 'महंगाई मुक्त भारत अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरें हैं कि एक अप्रैल से 800 आवश्यक दवाएं भी महंगी हो जाएंगी। चौधरी ने कहा कि महंगाई के पीछे सरकार 'रूस-यूक्रेन संकट का झूठा हवाला दे रही है जबकि हमारे देश में रूस से केवल आधा प्रतिशत तेल आयात किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की हाल में बढ़ी कीमतों को वापस लेना चाहिए और इस सदन में इस मुद्दे पर चर्चा करानी चाहिए। द्रमुक नेता टी आर बालू ने कहा कि पिछले कुछ दिन में ही पेट्रोल और डीजल के दाम में लगभग चार रुपये प्रति लीटर से ज्यादा वृद्धि हुई है ।

कर्नाटक के मंत्रियों ने कहा कि हिजाब पर उच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन ना करें

नेशनल डेस्क। कर्नाटक में सोमवार को दसवीं कक्षा की परीक्षाएं शुरू हुईं और इस बीच कर्नाटक के मंत्रियों ने कहा कि हिजाब पर उच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन करने वालों को परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ज्ञानेंद्र ने कहा, '' जो भी नियम का उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। सभी को उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करना चाहिए। परीक्षा देने के लिए उन्हें हिजाब हटाना होगा। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने भी समान विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, '' सरकारी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। मुझे विश्वास है कि कोई भी विद्यार्थी ऐसा करने का मौका नहीं देगा।%% उन्होंने छात्रों से बिना किसी डर के परीक्षा देने की अपील की। राज्य भर में दसवीं की परीक्षा के लिए 3,440 केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षाओं के लिए 8.74 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है। कुछ मुस्लिम छात्राओं ने परीक्षा केन्द्र के अंदर हिजाब, (इस्लामिक हेडस्कार्फ़) पर प्रतिबंध के विरोध में परीक्षाओं का ''बहिष्कार करने की धमकी दी है। उच्च न्यायालय ने कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति मांगने वाली उडुपी स्थित 'गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की मुस्लिम छात्राओं के एक वर्ग की याचिकाएं खारिज कर दी थीं। उच्च न्यायालय ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी कहा कि सभी को दसवीं की परीक्षा देनी चाहिए। बोम्मई ने पत्रकारों से कहा, '' मैं सभी छात्रों को शुभकामनाएं देता हूं। यह एक महत्वपूर्ण परीक्षा है।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी, लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि शोपियां निवासी वसीम अहमद गनई और इकबाल अशरफ शेख को पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने सुन्नेरगुंड इलाके में हिरासत में ले लिया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, एक चीनी पिस्तौल, दो पिस्तौल मैगजीन, पिस्तौल की 12 गोलियां और एके-47 की 32 गोलियों सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। गौरतलब है कि इस महीने बडगाम जिले में आतंकवादी हमलों में दो नागरिकों समेत चार लोगों की मौत हो चुकी है।

राकेश टिकैत को अनजान नंबर से मिली हत्या की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

नेशनल डेस्क। किसान नेता राकेश टिकैत को कथित तौर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर जान से मारने की धमकी दी और उन्हें अपशब्द भी कहे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अभिषेक यादव ने बताय कि पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) नेता के ड्राइवर परजवाल त्यागी की शिकायत के आधार पर सिविल लाइन्स थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि इस बीच वरिष्ठ उप निरीक्षक राकेश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम टिकैत के आवास पर गई और उनसे बात की।

लद्दाख में कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी नया मामला नहीं

लेह । लद्दाख में पिछले एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी नया मामला सामने नहीं आया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि अब तक संक्रमण के 28,218 मामले सामने आ चुके हैं और कोविड से पीड़ित होने के बाद अब तक कुल 27,974 लोग ठीक हो चुके हैं। केंद्र शासित क्षेत्र में अब तक महामारी से 228 मरीजों की मौत हो चुकी है। रविवार को कोविड से किसी की मौत नहीं हुई। अधिकारियों ने कहा कि लद्दाख में अभी कुल 16 मरीज उपचाराधीन हैं और सभी लेह जिले से हैं।

देशभर से कश्मीरी पंडित 2 अप्रैल को पहुंचेंगे घाटी, नवरेह के मौके पर करेंगे पूजा-अर्चना

नेशनल डेस्क। कश्मीरी पंडितों के अपने ही घरों से विस्थापन का दर्द आज देश-दुनिया में बसे भारतीय महसूस कर रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स ने दुनिया के सामने कश्मीरी पंडितों के विस्थापन की सच्चाई सबके सामने ला दी। आजतक जो बताया जा रहा था कि कश्मीरी पंडित खुद ही अपने घर छोड़कर कर गए द कश्मीर फाइल्स सबूत है कि कश्मीरी पंडित खुद गए या फिर उनको जबरदस्ती निकाला गया। आज हर कोई कश्मीरी पंडितों के साथ खड़ा है। इसी बीच इस बार नवरेह मनाने 2 अप्रैल को शभर से कश्मीरी पंडित घाटी पहुंचेंगे। नवरेह का अर्थ कश्मीरी नए साल से है। नवरेह को कश्मीरी पंडित समुदाय द्वारा शुभ दिन के रूप में मनाया जाता है। कश्मीरी पंडित पिछले 32 साल से नवरेह पर यही प्रार्थना करते आ रहे हैं कि वो अपने घर लौट सकें और वहां पर इस त्योहार को मनाएं। जम्मू से भी बस के जरिए कश्मीरी पंडित घाटी में जाकर हरि पर्वत पर मां शारिका मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ ही पंडितों की वापसी की कामना करेंगे। भाजपा नेता डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी व शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी भी इस मौके की साक्षी होंगी। शारिका मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ ही शेर-ए कश्मीर पार्क में नवरेह मिलन कार्यक्रम होगा। घाटी में भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ ही पंडितों की सम्मानजनक वापसी की आवाज बुलंद की जाएगी। जेके पीस फोरम की ओर से देशभर के कश्मीरी पंडितों को नवरेह पर 2 अप्रैल को कश्मीर में जुटाने की तैयारियां की गई हैं। इस कार्यक्रम का मकसद दहशत में घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर लोगों के लिए सुरक्षा व आत्मसम्मान की भावना जगाना है। फोरम के चेयरमैन सतीश महालदार ने बताया कि इस बार कोशिश है कि सभी धर्मों के लोगों को एक मंच पर लाकर पंडितों की वापसी का माहौल बनाया जाए। सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत भी नवरेह पर ऑनलाइन संबोधित करेंगे। संजीवनी शारदा केंद्र जम्मू के माध्यम से इस कार्यक्रम का आयोजन 3 अप्रैल को होगा। भागवत पिछले साल भी संबोधित करने वाले थे लेकिन अस्वस्थ होने की वजह से यह संभव नहीं हो पाया था।

घटिया प्रेशर कुकर बेचने वालों की खैर नहीं, दो ई-कॉमर्स कंपनियों पर लगा 1-1 लाख रुपये का जुर्माना

नेशनल डेस्क । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सी.सी.पी.ए.) ने ई-कॉमर्स कंपनी पेटीएम मॉल और स्नैपडील पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। प्राधिकरण ने बिना मानक वाले प्रैशर कुकर बेचने के लिए जुर्माना लगाते हुए दोनों कंपनियों से बेची गई वस्तुओं को वापस लेने के साथ-साथ उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि वापस करने का आदेश दिया। प्राधिकरण ने 2 अलग-अलग आदेशों में पेटीएम ईकॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पेटीएम मॉल) और स्नैपडील प्राइवेट लिमिटेड को खराब प्रैशर कुकर बेचने का दोषी पाया। ये प्रैशर कुकर भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.) मानकों के अनुरूप नहीं थे और घरेलू प्रैशर कुकर (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश-2020 (क्यू.सी.ओ.) का अनुपालन नहीं करते थे। पेटीएम मॉल ने प्रिस्टीन और क्यूबा कंपनी के प्रैशर कुकर अपने मंच पर बेचने के लिए डाले थे जबकि उत्पाद विवरण में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि इसमें आई.एस.आई. मार्क नहीं है। सी.सी.पी.ए. ने 25 मार्च को अपने आदेश में पेटीएम मॉल को अपने मंच पर बिकने वाले 39 प्रैशर कुकर के सभी उपभोक्ताओं को सूचित करने, प्रैशर कुकर को वापस लेने और उपभोक्ताओं को उनकी कीमत वापस देने के लिए कहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के भेस्तान में नगर पालिका की 3 बंद दुकानों से सरकारी अनाज के 300 बोरी मिले

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भेस्तान के SMC की 3 बंद दुकानों से 300 बोरी में गरीबो के अनाज मिले जिससे अनाज घोटाले को लेकर चर्चाएँ

भष्टाचारी और अधिकारी भी बने अंजान, शिकायत मिलने अनाज के स्वामित्व जांच का विषय है। की 3 बंद दुकानों से 300 बोरी में गरीबो के अनाज मिले हैं,

इस संबंध में स्वामित्व जांच का विषय है। होने के वाबजूद नगर पालिका ने आपूर्ति विभाग को अवगत करा दिया है। भेस्तान में नगर पालिका के शॉपिंग सेंटर में अवैध गया था जो आवंटित नहीं किया गया था। नगर पालिका ने 300 बोरी गेहूं, चावल और नमक जब्त कर दुकानों को सील कर दिया है. घटना के बाद नगर पालिका ने शॉपिंग सेंटर में सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए थे ताकि बंद दुकानों पर कोई अवैध कब्जा न कर सके। अभी तक SMC में सिर्फ

के बाद उधना ज़ोन ने कार्यवाही की, जब इन दुकानों को SMC ने अभी तक आवंटित नहीं किया गया है, जिससे यह भी एक जाँच का विषय हैं की गतिविधि की शिकायत मिलने पर नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची. निरीक्षण से पता चला कि दुकानों संख्या 37, 38 और 39 में अवैध रूप से खाद्यान्न का भंडारण किया अवैध बांधकाम की फरियाद, या जमीन से संबंधित फरियाद लोंग करते थे अब स्स्ष्ट भी अनाज माफियागिरी में किस प्रकार की जाँच करेंगा यह जाँच का विषय बना हुआ हैं ?

विज्ञान के 12 छात्र पर्ची के साथ पकड़े गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बोर्ड की 10वीं, 12वीं की सामान्य और साइंस स्ट्रीम की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गई हैं। पहले दिन पेपर सिंपल रखने वाले छात्रों में खुशी देखी गई। सुबह साढ़े नौ बजे छात्रों को स्कूल में भर्ती कराया गया। जहां सबसे पहले शिक्षकों ने छात्रों के हाथों को सैनिटाइज किया और कुमकुम से तिलक लगाया और चॉकलेट या वेलकम ड्रिंक देकर उनका स्वागत किया. काफी समय बाद परीक्षा देने से छात्रों को कमर-अंगूर में दर्द जैसी समस्या हुई।

कक्षा क्या कहते हैं 10वीं और 12वीं के परीक्षार्थी ?

सुबह 5.30 बजे उठे। सुबह 6 बजे फ्रेश होकर पूजा करें और रिवीजन के लिए बैठ जाएं। रात 8 बजे पढ़ना बंद कर दिया। फिर उसने सुबह 9.30 बजे कक्षा में प्रवेश किया, इस डर से कि स्कूल आने तक पेपर कैसा दिखेगा। पेपर मिलते ही मैंने डिटेल भर दी और फिर लिखना शुरू किया। जैसे ही मैंने उत्तर लिखा, आत्मविश्वास आया और पेपर अच्छा गया। - विधि शाह, कक्षा-10

सुबह 5 बजे उठकर फ्रेश होने बैठ गए। उदाहरण, सिद्धांत और सूत्र ऊपर से देखे गए। हालांकि क्लास में बैठने तक थोड़ा डर लगा। यदि आप कागज को देखें, तो पाठ्य पुस्तक के उदाहरण हैं। बहुत खुश पार्ट-बी में 2-3 प्रश्न बाहरी थे। लिखते समय उंगली में दर्द हो रहा था। हालांकि पेपर बहुत अच्छा गया। - जियो वोरा, स्टैंडर्ड-

अमरेली के रहने वाले और मोटा वराछा के रहने वाले 41 वर्षीय कमलेश कोराट ने अपने 41 वर्षीय पिता की बेटी को देखकर 12वीं की परीक्षा दी । पिछले साल, जब उनकी बेटी कक्षा -12 की परीक्षा दे रही थी, उसने भी परीक्षा देने का फैसला किया।

1 स्लिप के साथ पकड़ा गया अब फिजिक्स पार्ले प्वाइंट सी.सी. में कक्षा-12 का रिजल्ट रद्द किया जा सकता है । शाह स्कूल का एक छात्र कागज की एक पर्ची और एक उत्तर पुस्तिका के बीच उत्तर लिख रहा था। जांच के दौरान इंस्पेक्टर को एक पर्ची मिली। इसलिए मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। अब अगर यह पर्ची से लिखा हुआ साबित होता है तो पूरी परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के दौरान विद्यार्थी को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर समेत राज्यभर में कक्षा 10 एवं 12वीं को बोर्ड परीक्षाएं शुरूहो गई हैं। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले ही दिन अहमदाबाद में एक दुःखद घटना सामने आई है। जिसमें दिल का दौरा पड़ने से विद्यार्थी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना है पूर्वी अहमदाबाद के रखियाल क्षेत्र की सीएल पटेल हाईस्कूल की। जहां कक्षा 12 के छात्र अमान आरीफ शेख परीक्षा देने आया था। गोमतीपुर की एचजी पटेल हाईस्कूल का छात्र अमान आरीफ को परीक्षा शुरू होने के बाद 4.30 बजे उल्टी हो गई। हांलाकि उसके बाद अमान परीक्षा का पेपर लिखने लगा। लेकिन कुछ समय बाद उसके सीने में तेज दर्द होने लगा और वह पसीने से तरबतर हो गया। अमान की स्थिति देख दोपहर 4.38 बजे स्कूल के आचार्य ने एम्ब्युलैंस 108 को घटना की जानकारी दी। शाम 4.45 बजे एम्ब्युलैंस सीएल पटेल हाईस्कूल पहुंची जहां अमान की जांच करने पर उसका ब्लड प्रेशर का हाई था। जिससे अमान को तुरंत सरसपुर स्थित शारदाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमान की गंभीर हालत देखते हुए उसे वेन्टीलेटर पर रखा गया था। हांलाकि उसे बचाया नहीं जा सका और उपचार के दौरान ही अमान शेख ने दम तोड़ दिया।

राज्य के 7 महानगर और 2 नगर पालिकाओं में मध्याह्न भोजन योजना की शुरूआत आज से

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्य के 7 महानगरों और 2 नगर पालिकाओं में कल से

मध्याह्न भोजन योजना की शुरूआत होगी। राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी मंगलवार को गांधीनगर के निकट बोरीज गांव में मध्याह्न भोजन योजना की पुन: शुरूआत कराएंगे। इसी के साथ राज्य के अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर, जामनगर, वडोदरा, गांधीनगर और सूरत समेत 7 महानगरों और भुज व नवसारी नगर पालिकाओं में मध्याह्न भोजन योजना का प्रारंभ हो जाएगा। जबकि 31 मार्च 2022 से राज्यभर में मध्याह्न भोजन मिलना शुरू हो जाएगा। शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 16 मार्च २०२० से मध्याह्न भोजन योजना बंद थी। हांलाकि अब तक इसके बदले विद्यार्थियों के खाते में सीधे रकम जमा कराई जाती थी। इसके अंतर्गत अब तक विद्यार्थियों के खाते में रु 1300 करोड़ जमा करवाए जा चुके हैं। साथ ही विद्यार्थियों के लिए 2.60 लाख मेट्रिकन अनाज का वितरण भी किया गया है। इस वर्ष भी मध्याह्न भोजन योजना के लिए बजट में रु 1400 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।